देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–280 । सागर, शुक्रवार, 1 दिसम्बर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

आंधी चलने से कई जगह पेड़ हुए धराशाई पृष्ठ 2
▪ खेल में खनकती पूंजी
▪ खनिज तेल आपूर्ति में कटौती का सवाल, सभी निगाहें ओपेक की बैठक पर पृष्ठ 4
▪ ऑडिटोरियम बाउंड्रीवाल की चुनाई एवं कॉलम भराव में धांधली पृष्ठ 6
ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से मजदूर की मौत पृष्ठ 8

सार-समाचार

संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसम्बर से

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसद का शीतकालीन सत्र अगले सप्ताह 4 दिसम्बर से शुरू हो रहा है। सरकार की ओर से इस सत्र के लिए जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में महिला आरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को बढ़ाने वाले दो और आपराधिक कानूनों को बदलने वाले तीन विधेयकों सहित कुल 18 विधेयकों को सूची बद्ध किया गया है।

इसकी जानकारी लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन में बताया गया है कि सरकार कश्मीरी प्रवासियों,पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विस्थापितों और अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सदस्यों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 करने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक,2023, जम्मू और कश्मीर विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है। इसके अलावा पुडुचेरी विधानसभा में महिलाओं के लिए समान आरक्षण प्रावधानों को प्रस्ताव करते हुए केंद्रशासित प्रदेश प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक,2023 को भी पेश किए जाने की योजना है।

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का निधन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का बुधवार को 100 साल की उम्र में कनेक्टिकट स्थित घर पर निधन हो गया। राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और जेराल्ड फोर्ड के कार्यकाल में विदेशमंत्री के तौर पर काम करने वाले डॉ. किसिंजर ने चीन के लिए रास्ता खोलने, मध्य पूर्व में योम किप्पुर युद्ध की समाप्ति पर बातचीत करने और वियतनाम युद्ध में अमेरिका की भूमिका को समाप्त करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बयान के मुताबिक डॉ. किसिंजर ने राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर 21 किताबें लिखी हैं।

कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति की पुनर्नियुक्ति रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने ने कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर डॉ. गोपीनाथ रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति गुरुवार को रद्द कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने डॉ. रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं की समीक्षा के बाद यह फैसला सुनाया। पीठ ने डॉ. रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति बरकरार रखने के केरल उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि नियुक्ति केरल सरकार के अनुचित हस्तक्षेप के कारण गलत थी।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक पर जुर्माना लगाया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने फेमा की धाराओं के माध्यम से प्राप्त शक्तियों के तहत एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ अमेरिका पर जुर्माना लगाया है। एचडीएफसी पर प्रवासियों से जमा स्वीकार करने पर आरबीआई के निर्देशों के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। बैंक ऑफ अमेरिका पर फेमा 1999 की उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत रिपोर्टिंग आवश्यकताओं पर निर्देशों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। दोनों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

गैंगस्टर सोनू खत्री का गुर्गा पंजाब में गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने विदेश स्थित गैंगस्टर राजेश कुमार उर्फ सोनू खत्री के गुर्गे गैंगस्टर करणजीत सिंह उर्फ जस्सा हप्पोवाल और जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सा मोहनवालिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा, गैंगस्टर जस्सा हप्पोवाल हत्या के कम से कम 6 मामलों में वांछित था, जिसमें पिछले महीने जालंधर ग्रामीण के भोजोवाल गांव में हुई मां और बेटी की दोहरी हत्या और अन्य जघन्य अपराध भी शामिल थे। आरोपियों ने शवों को आग लगाने से पहले दोनों मृत महिलाओं के शरीर और चेहरे पर मिट्टी का तेल भी डाला था।

मुख्य सचिव को दी गई विदाई, मुख्यमंत्री बोले-

बैंस हर मापदंड पर खरे उतरे

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इकबाल सिंह बैंस हर परिस्थिति में एक समान रहने वाले और सभी को समभाव से देखने वाले व्यक्ति हैं, वे हर मापदंड पर खरे उतरे, कोविड-19 की सर्वाधिक बड़ी चुनौती का उन्होंने दृढ़ता और सूझबूझ से सामना किया। श्री बैंस जनकल्याण के हर विचार के प्रति सकारात्मक रहते थे। उन्होंने जनकल्याण के लिए दिए गए हर सुझाव और विचार को प्रशासकीय दृष्टि से प्रभावी तरीके से समय-सीमा में क्रियान्वित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में आयोजित प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के विदाई समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव श्री बैंस ने 38 साल प्रशासनिक अधिकारी के रूप में प्रदेश की सेवा की और वे जनता के कल्याण के लिए ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

प्रशासनिक यात्रा सुखद और परिणाममूलक रही : बैंस

इस अवसर पर सेवानिवृत्त हुए इकबाल सिंह बैंस ने कहा कि मेरी प्रशासनिक यात्रा सुखद और परिणाममूलक रही। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा मुझमें रखे गए विश्वास के परिणामस्वरूप ही मैं बड़ी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभा पाया। कर्तव्य के प्रति निष्ठा में मेरी ओर से कोई कमी नहीं रही। मेरे साथियों ने भी मेरी यात्रा में भरपूर सहयोग दिया। मैं सेवानिवृत्त जरूर हो रहा हूँ परंतु मैं आप सबके बीच ही हूँ, क्योंकि आप सभी मेरा परिवार हैं और परिवार कभी छूटते नहीं हैं, उनसे विदाई नहीं होती।

वीरा राणा ने मुख्य सचिव का कार्यभार संभाला

नवागत प्रभारी मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने आज अपना कार्यभार संभाला।

इससे पहले मुख्य सचिव के विदाई समारोह में उन्होंने कहा कि श्री बैंस ने निर्भीकता, प्रशासनिक दक्षता और सूझबूझ के साथ कार्य किया। वे अध्यात्म के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि उनके प्रशासनिक अनुभव और दूरदर्शिता का लाभ प्रदेश को प्राप्त होता रहेगा।

गुजरात में जहरीला सिरप पीने से 5 की मौत

2 को अस्पताल में भर्ती कराया गया

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के खेड़ा जिले में कथित तौर पर मिथाइल अल्कोहल युक्त आयुर्वेदिक सिरप पीने से पिछले दो दिन में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि खेड़ा जिले में नडियाड शहर के निकट बिलोदरा गांव में एक दुकानदार द्वारा 'कालमेघसव-आसव अरिष्ट' नामक आयुर्वेदिक सिरप लगभग 50 लोगों को बेचा गया था। खेड़ा के पुलिस अधीक्षक राजेश गढ़िया ने कहा कि एक ग्रामीण ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

मोरबी ब्रिज हादसा ओरेवा ग्रुप के मालिक को सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के मोरबी में 30 अक्टूबर 2022 को एक सस्पेंशन ब्रिज गिर गया था। हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। ब्रिज का मैंटेनेंस करने वाली कंपनी ओरेवा ग्रुप के मालिक जयसुख पटेल ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी, जिस पर सुनवाई से कोर्ट ने इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जयसुख पटेल के वकील से कहा- आप जमानत के लिए फिलहाल निचली अदालत या हाईकोर्ट जाएं। जयसुख पटेल 31 जनवरी से मोरबी जेल में बंद हैं।

प्रधानमंत्री ने 50 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे

- देश भर के 37 स्थानों पर आयोजित किया गया रोजगार मेला
- जनता के जीवन में सुगमता के लिए समर्पित हों कर्मचारी

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 50 हजार से अधिक युवाओं को सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्ति के पत्र वितरित किए और उनका आह्वान किया कि वे देश की जनता जनार्दन के जीवन में सुगमता लाने के लिए सत्य निष्ठा से खुद को खपाने के लिए तैयार रहें। श्री मोदी ने यहां एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त कर्मियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद उन्हें संबोधित करते हुए यह कहा। यह रोजगार मेला देश भर के 37 स्थानों पर आयोजित किया गया। इस पहल में केन्द्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों/केन्द्र-शासित प्रदेशों में भर्ती कर्मचारी भी शामिल थे। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी सरकार के राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, वित्तीय सेवाएं विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा श्रम और रोजगार ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत का दावा

कांग्रेस सभी 5 राज्यों में सरकार बनाएगी

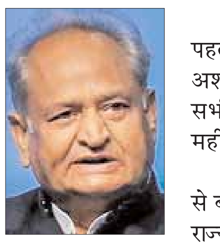

नई दिल्ली, देशबन्धु। एग्जिट पोल से पहले गुरुवार शाम को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा किया कि कांग्रेस उन सभी पांच राज्यों में सरकार बनाएगी जहां इस महीने चुनाव हुए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा, कांग्रेस सभी पांच राज्यों में सरकार बनाएगी। मुझे लगता है कि भाजपा पांचों राज्यों में से किसी में भी नहीं जीतेगी। उन्होंने कहा, राजस्थान में, एग्जिट पोल जो भी कहते हैं, और सट्टा बाजार जो भी कहता है, मीडिया जो भी कहता है और आपका सर्वेक्षण जो भी कहता है, मेरा अनुमान कहता है - जैसा कि मैंने पिछले छह महीनों में गांवों और शहरों में लोगों की टिप्पणियां सुनीं, कांग्रेस सरकार बनाएगी। मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता की टिप्पणी उस दिन आई है जब दक्षिणी राज्य तेलंगाना में विधानसभा की 119 सीटों के लिए मतदान हो रहा था। मिजोरम ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

मतदान बाद सर्वेक्षण में सामने आए अनुमान

मप्र-राजस्थान में भाजपा को बढ़त, छग-तेलंगाना में कांग्रेस आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए मतदान के बाद आए ज्यादातर चुनाव बाद सर्वेक्षण में मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा को बढ़त मिलने का अनुमान लगाया गया है वहीं तेलंगाना तथा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के आगे रहने की संभावना जताई गई है।

छत्तीसगढ़ में दो चरणों में सात नवंबर और 17 नवंबर को मतदान हुआ था। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 25 नवंबर और तेलंगाना को 30 नवंबर को वोट डाले गए थे। मिजोरम में सात नवंबर को मतदान हुआ था। इन सभी राज्यों में मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

'न्यूज 24-टुडेज चाणक्या' के अनुसार मध्य प्रदेश में भाजपा को 45 प्रतिशत मतों के साथ 151 सीटें मिल सकती हैं तो भाजपा को 38 प्रतिशत मतों के साथ 74 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है।

'टीवी9-पोलस्ट्रेट' के मुताबिक मध्य प्रदेश में कांग्रेस को निर्णायक बढ़त मिलने का अनुमान लगाया गया है। इसके मुताबिक, कांग्रेस को 230 सदस्यीय विधानसभा में 111-121 सीटें मिल सकती हैं तो भाजपा के खाते में 106-116 सीटें जा सकती हैं।

'इंडिया टीवी-सीएनएक्स' अनुमानों में मध्य प्रदेश में कांटे का मुकाबले का अनुमान लगाया गया है, लेकिन भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। इसके अनुसार, भाजपा को 116 तो कांग्रेस को 111 सीटें मिल सकती हैं।

'रिपब्लिक-मैट्रिज' ने मध्य प्रदेश में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इसके मुताबिक, भाजपा को 118-130 सीटें मिल सकती हैं तो कांग्रेस को 97 से 107 सीटें हासिल हो सकती हैं।

'इंडिया टुडे-एक्सिस मॉय इंडिया' के अनुमानों में राजस्थान में कांग्रेस को बढ़त दिखाई गई हैं, हालांकि कई अन्य सर्वेक्षणों में भाजपा के आगे रहने का अनुमान लगाया गया है।

'टीवी9-पोलस्ट्रेट' के सर्वेक्षण के अनुसार, राजस्थान में भाजपा 100 से 110 सीटें हासिल करके सरकार बना सकती है तो सत्तारूढ़ कांग्रेस को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। इस सर्वे में कहा गया है कि राजस्थान में अन्य को पांच से 15 सीटें हासिल हो सकती हैं।

'टाइम्स नाउ-ईटीजी' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि राजस्थान में भाजपा 108 से 128 सीटें हासिल कर पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है जबकि कांग्रेस को 56 से 72 सीटों के साथ संतोष करना पड़ सकता है।

'इंडिया टुडे-एक्सिस मॉय इंडिया' के सर्वेक्षण के अनुसार, राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस 42 प्रतिशत मतों के साथ 86 से 106 सीटें हासिल कर सकती है तो भाजपा को 41 प्रतिशत मतों के साथ 80 से 100 सीटें हासिल हो सकती हैं। ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

मुख्यमंत्री ने कहा-

भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलेगा

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव एग्जिट पोल पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रतिक्रिया आई है मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आंकड़ों को देख कहा कि महिलाओं का, बहनों का अभूतपूर्व स्नेह और प्रेम मिल रहा है, नतीजे अप्रत्याशित और अभूतपूर्व आएंगे। श्री चौहान ने कहा कि मैंने हमेशा कहा है कि मध्य प्रदेश में कोई मुकाबला नहीं है और भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्यार और मार्गदर्शन, अमित शाह की रणनीति। जेपी नड्डा के नेतृत्व, हमारे कार्यकर्ताओं के प्रयासों और हमारी सरकार की योजनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि भाजपा को राज्य में बहुमत मिल रहा है।

कार्यकर्ताओं को कमलनाथ का संदेश

अर्जुन की तरह लक्ष्य पर निगाह रखें

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने एग्टिज पोल के बाद कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में उन्होंने कहा है कि वे अर्जुन की तरह लक्ष्य पर निगाह रखें। ट्वीट किया कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को मैं उनका बल याद दिलाना चाहता हूँ, आप लोग कांग्रेस की शक्ति हैं। 3 दिसंबर को जब मतगणना शुरू होगी तो कांग्रेस की सरकार पर जनता की मोहर लग जाएगी। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा आपसे कहा है कि देश विजन से चलता है, टेलीविजन से नहीं। बहुत से एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती हुई दिखाई दी है जबकि कुछ एग्जिट पोल अन्य तरह की बात कर रहे हैं। आपको इस सबसे अपना ध्यान भटकने नहीं देना है। अर्जुन की तरह आपको निगाहें सिर्फ अपने लक्ष्य पर रखनी हैं।

ड्यूटी ख़त्म होने का हवाला देकर चले गए लोको पायलट, स्टेशन पर घंटों खड़ी रहीं 2 ट्रेनें

बाराबंकी,एजेंसी। बुधवार को जिले के बुढ़वल रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेनें घंटों तक खड़ी रहीं और उनमें सवार हजारों यात्री परेशान होते रहे। दरअसल, इन दोनों ट्रेनों के ड्राइवरों ने अपनी ड्यूटी खत्म होने का हवाला दिया और ट्रेनों को स्टेशन पर खड़ी करके आराम करने चले गये। इनमें से एक ट्रेन करीब चार घंटे, जबकि दूसरी दो घंटे तक रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। पहली ट्रेन के यात्रियों को काफ़ी देर तक कुछ समझ में नहीं आया कि ट्रेन क्यों खड़ी है। बगल से एक मालगाड़ी गुजरने पर उन्हें लगा कि शायद उसकी वजह से उनकी ट्रेन रोकी गई है लेकिन जब उन्होंने स्टेशन पर जाकर पूछताछ की तो पता चला कि ट्रेन के ड्राइवर की ड्यूटी खत्म हो गई है, इसलिए वह आगे नहीं जा सकता। ड्राइवर ने स्टेशन अधीक्षक को अपनी तबीयत ख़राब होने का भी हवाला दिया।

यह ट्रेन सहरसा से नई दिल्ली जा रही थी। यात्रियों ने जब दूसरे ड्राइवर की व्यवस्था करने को कहा तो स्टेशन मास्टर ने कोई जवाब नहीं दिया और यात्रियों की मदद करने के बजाय अपने हाथ खड़े कर दिये, जिसके बाद परेशान यात्रियों ने स्टेशन पर हंगामा और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके अलावा उन्होंने दूसरी ट्रेन को जबरदस्ती रुकवा दिया। जब बड़े अधिकारियों तक इसकी सूचना पहुंची तो गोंडा से ड्राइवर और गार्ड भेजे गये। इस तरह करीब 4.50 बजे ट्रेन रवाना की गई। इसके बाद रेलवे के अधिकारियों ने राहत की सांस ली ही थी कि रेलवे लखनऊ-बरौनी एक्सप्रेस बुढ़वल पहुंची और वहीं खड़ी हो गई। शाम करीब 5 बजे आई यह ट्रेन जब काफी देर तक आगे नहीं बढ़ी तो यात्रियों ने इसके कारण मालूम किया। पता चला कि इस ट्रेन के ड्राइवर ने भी ड्यूटी का समय खत्म होने का हवाला देकर आगे जाने से इनकार कर दिया है। ड्राइवर के मुताबिक, उसे नींद आ रही थी, इसलिए वह ट्रेन नहीं चला सकता था।

जब एक और ट्रेन के स्टेशन पर खड़ी होने की जानकारी रेलवे अधिकारियों को मिली तो उनके होश उड़ गये। वहीं, नाराज़ मुसाफिरों ने भी स्टेशन पर हंगामा शुरू कर दिया। इससे घबराये रेलवे प्रशासन ने ड्राइवर से काफी मान-मनौवल की, लेकिन वह आगे ट्रेन ले जाने को तैयार ही नहीं हुआ। यात्रियों का कहना था कि जब ट्रेन के लोको पायलट की ड्यूटी पूरी हो चुकी थी तो दूसरे ड्राइवर को ट्रेन आगे ले जाने के लिए भेजना चाहिए था, लेकिन कई घंटे तक रेलवे की लापरवाही के चलते ट्रेन खड़ी रही। उन लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। स्टेशन पर खाने-पीने के सामान की किल्लत हो गई और उनके विक्रेताओं ने मौके का खूब फायदा उठाया।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

देश में अब हाइड्रोजन ट्रेन दौड़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, देशबन्धु। देश के अधिकांश हिस्सों में रेलवे का विद्युतीकरण हो जाने के बाद अब हाइड्रोजन ईंधन से रेलगाड़ियों को दौड़ाने की है। इसके लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का निर्माण किया जा रहा है।

उम्मीद जताई जा रही है कि पहली हाइड्रोजन रेलगाडी 2024 से के आखिर तक हरियाणा के जिंद से चलाई जा सकती है। यह जानकारी रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने बताया कि कुछ देशों ने हाइड्रोजन से चलने वाली रेलगाडियों की प्रौद्योगिकी हासिल कर ली है। भारत भी इस दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रहा है। संभावना है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक रेलवे एक प्रोटोटाइप का विकास करने में सफल हो जाएगा। वैष्णव ने कहा कि इस तकनीक के आधार पर रेलगाड़ियों का निर्माण घरलू और अंतरराष्ट्रीय रेलवे प्रणाली निर्माताओं के साथ साझेदारी में किया जाएगा। प्रोटोटाइप तैयार हो जाने के बाद ग्लोबल फर्मों की रुचि के लिए आमंत्रण अगले साल जारी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

सरकार ने रक्षा क्षेत्र में सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया

करीब सवा 2 लाख करोड़ रूपए के रक्षा सौदों को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 2.23 लाख करोड़ रूपए के रक्षा सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें वायु सेना के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड से हल्के लड़ाकू विमान, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर के अलावा नौसेना के लिए युद्धपोत रोधी मिसाइलों तथा तोपों की खरीद के प्रस्ताव शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इस आशय से संबंधित खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन प्रस्तावों को जरूरत के आधार पर खरीद की मंजूरी दी गयी है और इनमें से 2.20 लाख करोड़ रूपए की खरीद घरेलू उद्योगों से की जायेगी। इससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता करने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। इनमें हल्के लड़ाकू विमान, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर, युद्धपोत रोधी मिसाइलों तथा तोपों की खरीद के प्रस्ताव शामिल हैं। इन प्रस्तावों में सेना के लिए टाइप-2 और टाइप-3 की टैंक रोधी तोप की खरीद का प्रस्ताव शामिल है । ये तोप बख्तरबंद वाहनों और टैंकों को ध्वस्त करने में सक्षम होगी।

रक्षा परिषद ने हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से वायु सेना और सेना के लिए हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर और वायु सेना के लिए ▪ शेष पृष्ठ 5 पर

आंधी चलने से कई जगह पेड़ हुए धरासाई

अटा में आदिवासी के घर और स्कूल भवन के ऊपर गिरा पेड़

मालथौन, देशबन्धु। बुधवार-गुरुवार दरम्यानी रात्रि में बारिश के साथ आंधी तूफान ने कही कहीं नुकसान पहुंचाया। एक और बरसात से किसानों फ ायदा पहुचा दूसरी और तेज हवाओं के चलने से लोगो के टप्पर उड़ गए कई जगह बड़े-बड़े पेड़ धरासाई होने की खबर सामने आई हैं। लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई। मालथौन के अटाकर्नेलगढ़ पंचायत के ग्राम मझेरा में तेज हवाओं में कुछ किसानों के खेत की फसल खराब हो गई है, कई पेड़ हवा के झोंके में गिर गए। स्कूल के बाजू से लगा पेड़ भवन के ऊपर गिर गया। माना आदिवासी के घर पर पेड़ गिरने से कच्चे घर का छप्पर गिर गया जिससे बहुत नुकसान हो गया। किसान सुरेश आदिवासी, देवसिंग ने बताया रात में बहुत आंधी चलने पेड़ो की डालियां गिरने फसल धस गई जिससे से नुकसान हो गया। इस सम्बद्ध में ग्राम के लोगो ने सरपंच, सचिव और हल्का पटवारी को सूचित किया हैं। सरपंच प्रतिनिधि ने मौके पर पहुंच जायजा लिया।

अनियंत्रित होकर बिजली पोल से टकराकर पलटी कार

खुरई, देशबन्धु। नेशनल हाईवे खुरई-सागर रोड़ पर सिलोधा गांव के पास बीती रात सामने से आ रहे वाहन की हेडलाइट की रोशनी आंखों में पड़ने से एक कार अनियंत्रित होकर बिजली पोल से टकराकर पलट गई। घटना में तीन लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तत्काल कार से लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद लोगों ने 108 एंबुलेंस को कॉल किया। जानकारी के मुताबिक अरविंद गुरहा निवासी रानी दुर्गावती वार्ड खुरई जो अपनी कार एमपी 04 बीए 1478 अपने परिवार के साथ सागर से खुरई लौट रहे थे, तभी सिलोधा गांव के पास खुरई तरफ से आ रहे वाहन की हेडलाइट की रोशनी कार ड्राइवर की आंखों में पड़ने से कार अनियंत्रित होकर बिजली पोल से टकराकर पलट गई। कार की टक्कर से बिजली का पोल भी झुक गया। घटना में महेंद्र पिता चुन्नीलाल गुरहा 47, अरविंद पिता बाबूलाल गुरहा 68, संजीव पिता चुन्नीलाल गुरहा 52 को चोट आई हैं। सभी घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में अरविंद गुरहा को प्राथमिक उपचार के बाद सागर रेफर कर दिया है। नेशनल हाईवे पर रात के समय होने वाले अधिकांश हादसों में 20 प्रतिशत वजह सामने से आ रहे वाहन की लाइट भी मानी जाती है। नए वाहनों में सफेद लाइट भी लगी होती है। जिसकी रोशनी सामान्य लाइट से ज्यादा तेज होती है। यदि यह लाइट हाई बीम पर चल रही हो तो सामने से आ रहे वाहन चालक की आंखों में पड़ने से उसे कुछ दिखाई नहीं देता है। ऐसे में जब चालक को अपने सामने की स्थिति स्पष्ट नहीं होती है तो हादसा होता है। रात में पेड़ से टकराने, पुलिया व बिजली पोल से टकराने या खेत में वाहनों के पलटने जैसे हादसे भी ऐसे होते हैं।

बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा ईसीसीई प्रशिक्षण का आयोजन

गढ़ाकोटा, देशबन्धु। शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा बाल विकास परियोजना गढ़ाकोटा अंतर्गत कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी में दर्ज बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा ईसीसीई का पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के बच्चों को खेल-खेल, गीत गायन के माध्यम से बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के प्रशिक्षक अमित कुमार, सुनील कुमार एवं सत्यप्रकाश द्विवेदी द्वारा दिया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण में परियोजना अधिकरी शीतल पटैरिया के मार्गदर्शन में बाल विकास परियोजना गढ़ाकोटा से राजेश्वरी चौबे, स्नेहलता जैन, प्रियंका सेन एवं बबीता भदौरिया द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

डॉ. गौर के कृतित्व और व्यक्तित्व को जन जन तक पहुंचाना: कुलाधिपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने गुरुवार को डॉ. गौर पीठ और डॉ. अम्बेडकर पीठ की गतिविधियों पर चर्चा की, गौर पीठ समन्वयक प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने चर्चा करते हुए गौर पीठ की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। गौर बब्बा को भारत रत्न मिले इसके लिए भी प्रयास तेज करने हैं। प्रो. राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर ने बुंदेलखंड और देश में उच्च शिक्षा के लिए जो दिव्य ज्योति प्रज्वलित की है, उससे पूरी दुनिया आलोकित हो रही है। डॉक्टर गौर के रचना संसार से सबको जागृत करने के लिए गौर पीठ एक सशक्त आधार है। कुलाधिपति ने अम्बेडकर पीठ की गतिविधियों पर भी जानकारी ली। प्रो. राजपूत ने कुलाधिपति श्री बेरवाल को डॉ. हरीसिंह गौर की जीवनी भेंट की।

दोस्त बनकर की 1.30 लाख की धोखाधड़ी

सागर, देशबन्धु। मोतीनगर थाना क्षेत्र के बल्लभनगर वार्ड में दोस्त बनकर बदमाश ने 1.30 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। धोखाधड़ी का शिकार हुए पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार फरियादी सुनील बैन उम्र 38 साल निवासी बल्लभनगर वार्ड ने थाने में आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि 6 नवंबर को अज्ञात व्यक्ति ने कॉल किया। उसने कहा कि मैं तुम्हारा दोस्त मुकेश बोल रहा हूं। मैंने तुम्हे 1 रुपए भेजा है। मेरे पास 1 रुपए आ गया। फिर उसका मैसेज आया कि 10 हजार रुपए सेंड कर दो। ठग बोला कि तुम्हें क्यूआर कोड भेज रहा हूं, उस पर 10 हजार रुपए सेंड कर दूंगा। उसकी बातों के झांसे में आकर पैसे भेज दिए। जिसके बाद उसने 20 हजार भेजने का बोला। 20 हजार भेज दिए। इस प्रकार ठग ने 1.30 लाख रुपए फोन.पे और गूगल.पे से ठग लिए। जब उससे पैसे वापस मांगे तो उसने बात नहीं की। धोखाधड़ी होने का संदेह होते ही थाने में शिकायत की। शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर उक्त मोबाइल नंबर धारक की लोकेशन ट्रेस कर रही है। वहीं बैंक खाते की डिटेल निकाली जा रही है।

रिफाइनरी की तार फेंसिंग के पास रास्ता दिलवाने की मांग को लेकर हड़कल खाती गांव के लोगों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बीना, देशबन्धु। बीना के कुरवाई रोड़ के रामनगर से हडकल खाती का रास्ता बंद करने और बीना रिफायनरी के भू.अर्जन अधिनियम के अंतर्गत करार की शर्तें नहीं मानने को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। हड़कल खाती गांव के लोग बीना एसडीएम कार्यालय पहुंचे जहां तहसीलदार सुनील शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि हड़कल खाती गांव में जिस जगह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा हुई थी, उस जगह के चारों तरफ गांव के किसानों की भूमि लगी हुई है। जिसमें बीपीसीएल बीना रिफाइनरी ने तार फेंसिंग का कार्य किया जा रहा है। किसानों के लिए अपनी भूमि पर जाने से रोका जा रहा है। उन्होंने तार फेंसिंग के चारों तरफ किसानों के निकलने के लिए 30 फीट की जगह छोड़ने की मांग की। जिससे किसान अपने कृषि यंत्रों को अपनी भूमि पर बोवनी आदि कार्य के लिए ले जा सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से रास्ता दिलवाने की मांग की है। हड़कल खाती गांव के लोकेंद्र लिटोरिया, कैलाश सिंह ने बताया कि 29 सितंबर 2023 को सभी ग्रामीणों ने समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन दिया था। जिसका आज तक कोई निर्णय नहीं हुआ। इसके उल्टे रिफाइनरी प्रशासन अपने लाव लश्कर के साथ जबरदस्ती रास्ता बंद कर रही है। 29 नवंबर को रिफाइनरी प्रशासन करीब 500 जवानों के साथ आए और ग्रामवासियों के साथ झड़प भी की, जिसमें महिलाएं भी शामिल थी। ज्ञापन सौंपने वालों में अवधेश तिवारी, वीरेंद्र पस्तोर, ऋषि तिवारी, रूपसिंह, गौरव, कृपाल, दौलत सिंह, अरविंद, दीपक तिवारी, बालचंद रजक, चुन्नीलाल अहिरवार, बाबूलाल, कमलेश, वीर सिंह, सुनीता तिवारी, बबीता आदि शामिल थे।

विजय सोनी हुए सेवानिवृत्त

बण्डा, देशबन्धु। नगर परिषद में राजस्व उप निरीक्षक के पद पर पदस्थ विजय सोनी नगर परिषद से सेवानिवृत हुए सेवानिवृत्ति पर नगर परिषद के सभागार कक्ष में नगर परिषद द्वारा विदाई सम्मान कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में नगर परिषद के समस्त पार्षद, नगर परिषद अध्यक्ष वैभवराज कुकरेले, सीएमओ पीडी पाठक, नगर परिषद के सभी कर्मचारी और सोनी जी के परिजन और रिश्तेदार उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने विजय सोनी के कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहज और मिलनसार स्वभाव के धनी विजय सोनी काम करते वक्त अपना हर काम जिम्मेदारी से करते थे और कभी भी नगर की जनता हो पार्षद हो या कोई जनप्रतिनिधि उन्हें किसी काम के लिए कहता था तो वह सहजता से उस कार्य को कर देते थे, नगर परिषद अध्यक्ष वैभवराज कुकरेले ने कहा कि सोनी जी वरिष्ठता के साथ-साथ अपने काम के प्रति जिम्मेदार थे और हर काम जिम्मेदारी पूर्वक करते थे सीएमओ पीडी पाठक ने कहा कि हम सभी को इनसे कुछ सीखना चाहिये ताकि नगर की जनता को कोई शिकायत ना रहे। नगर परिषद से कार्यक्रम उपरांत नगर परिषद के सभी अधिकारी और कर्मचारी विजय सोनी के लिए सा सम्मान उनके घर तक छोड़ने गए, विजय सोनी का उपस्थित अतिथियों ने नगर परिषद की समस्त कर्मचारियों ने शाल श्रीफल से सम्मान किया।

सारथी सही हो तो कोई भी रास्ता कठिन नहीं होता: कमिश्नर

सागर, देशबन्धु। सारथी सही दिशा दिखाने वाला हो तो कोई भी रास्ता कठिन नहीं होता। उक्त विचार कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने अतिरिक्त कमिश्नर पवन जैन के ड्राइवर सेमसंग विलियम की सेवा निवृत्ति के अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर अतिरिक्त कमिश्नर पवन जैन, जॉइंट कमिश्नर अनिल द्विवेदी, डिप्टी कमिश्नर श्यामेंद्र जायसवाल, अनुराग पटेरिया एवं सेवा निर्मित उस्ताद सैमसंग विलियम के परिजन एवं कमिश्नर कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि जब सारथी सही दिशा दिखाने वाला हो तो कोई भी रास्ता असंभव नहीं होता। कमिश्नर कार्यालय में अपनी 35 वर्ष की सेवा देने वाले सैमसंग विलियम और मुन्ना उस्ताद आज शासकीय सेवा से भले निवृत हो रहे हैं किंतु मेरे एवं कमिश्नर कार्यालय के बाकी स्टाफ के दिल में हमेशा रहेंगे। मुन्ना उस्ताद, सेमसंग विलियम को जब भी कोई आवश्यकता हो कमिश्नर कार्यालय के दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले रहेगें। अब आप पूरा समय परिवार एवं अपने मित्रों के लिए देते हुए हंसी खुशी जीवन व्यतीत करें। अतिरिक्त कमिश्नर पवन जैन ने कहा कि ड्राइवर सैमसंग विलियम मेरे ड्राइवर ही नहीं बल्कि सही दिशा देने वाले सारथी भी थे। उन्होंने कभी भी मुझे अपने कर्तव्य स्थल तक पहुंचाने के लिए कोई परेशानी नहीं आने दी और सही समय पर अपने कर्तव्य स्थल तक पहुंचने में अपना कर्म पूरा किया है। मैं उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने की भगवान से कामना करता हूं।

अतिरिक्त कमिश्नर ने कार चला कर अपने सारथीको छोड़ा उनके घर तक

अतिरिक्त कमिश्नर पवन जैन के ड्राइवर सैमसंग विलियम मुन्ना उस्ताद के सेवानिवृत्त होने पर श्री जैन ने खुद गाड़ी में सवार होकर अपने ड्राइवर को उनके घर छोड़ा। उन्होंने कहा कि मुन्ना ने हमेशा मेरे लिए गाड़ी चलाकर अपने कर्त्तव्य स्थल तक पहुंचाने का कार्य किया है आज मैं उन्हें गाड़ी चलाकर उनके घर तक पहुंचाकर अपना कर्तव्य पूरा कर रहा हूं।

डण्डे से मारपीट कर वृद्ध की हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

सागर, देशबन्धु। डण्डे से मारपीट कर वृद्ध की हत्या कारित करने वाले अभियुक्त महेश रावत को भादवि की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं पांच हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा से द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश शिवबालक साहू जिला सागर की अदालत ने दंडित किया। मामले की पैरवी प्रभारी उप.संचालक अभियोजन धर्मेन्द्र सिंह तारन के मार्गदर्शन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सौरभ डिम्हा ने की। मीडिया प्रभारी एडीपीओ सौरभ डिम्हा ने बताया कि फरियादी ने 20 मई 2022 को थाना सुरखी में रिपोर्ट लेख कराई कि 20 मई 2022 को सुबह पौने सात बजे वह अपने घर पर था कि तभी आरोपी महेश रावत जिससे उनकी बुराई चलती है उसके पिता कनई सौर जो कुऑ में पानी लेने गये थे वहीं पर आरोपी महेश रावत भी था जो उसके पिता को गंदी-गंदी गाली देने लगा उसके पिता ने गाली देने से मना किया तो आरोपी महेश ने हाथ में लिये डण्डा से उसके पिता को मारा जिससे उसके पिता के सिर में बांई तरफ, दाहिने टखना में, बांये पैर के टखना में खून आलूदा चोट व पेट में मूंदी चोट आई। लड़ाई झगड़ा देखकर गांव के लोगो ने बीच बचाव किया तो आरोपी महेश वहॉ से भाग गया और जाते-जाते कहने लगा कि आज तो बच गये अगली बार जान से खत्म कर देगा। आहत कनई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरखी में इलाज हेतु भेजा गया उसके बाद आहत की गंभीर स्थिति को देखते हुये जिला चिकित्सालय सागर में भर्ती किया गया जहां 22 मई 2022 को गंभीर अवस्था में बुंदेलखंड मेडीकल कालेज चिकित्सालय सागर रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान 23 मई 2022 को आहत कनई सौर की मृत्यु हो गई। उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया, थाना छानबीला द्वारा विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में पेश किया।

मतगणना के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी का नवाचार

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने नवाचार करते हुए स्ट्रांग रूम से मतगणना रूम तक जाने आने के लिए जिले के कोटवारों की नियुक्ति की है। उनकी विशेष पहचान के लिए कलेक्टर ने नवाचार करते हुए उन्हें विधानसभा वार रंगीन वस्त्र प्रदान किए है। जिससे उनकी रंग के आधार पर पहचान सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि मतगणना को सुचारू एवं पारदर्शी रखने के लिए ईवीएम मशीनों को ले जाने के लिए कोटवारों को नियुक्त किया गया है। उनकी विशेष पहचान के लिए प्रत्येक विधानसभा वार उन्हें वस्त्र प्रदान किए गए हैं। इससे उनकी दूर से ही पहचान की जा सकेगी। बीना विधानसभा क्षेत्र के ईवीएम के स्ट्रांग रूम से मतगणना रूम तक ले जाने के लिए डार्क गुलाबी रंग की जैकेट वाले कोटवार ईवीएम मशीन लेकर प्रवेश करेंगे, 36 खुरई की कोटवार हल्के पीले रंग की जैकेट अर्थात क्रीम कलर की जैकेट में नजर आएंगे। इसी प्रकार 37 सुरखी विधानसभा क्षेत्र के कोटवार डार्क पीले कलर की जैकेट में नजर आएंगे, 38 देवरी विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम मशीन के लिए महावरी रंग की जैकेट धारण किए हुए रहेंगे, 39 रहली विधानसभा क्षेत्र के कोटवार हरे रंग की जैकेट में नजर आएंगे, 40 नरयावली के कोटवार आसमानी रंग की जैकेट में नजर आएंगे, 41 सागर के कोटवार गहरे आसमानी कलर की जैकेट में रहेंगे, जबकि 42 नरयावली के कोटवार हल्के गुलाबी रंग में नजर आएंगे। यह नवाचार इसलिए किया जा रहा है जिससे किसी भी अभ्यर्थी या मतगणना एजेंट को किसी भी प्रकार का संदेह नहीं रहे और पूरी पारदर्शिता बनी रहे।

आज होगा रक्त क्रांति रक्तदान शिविर का आयोजन

बीना, देशबन्धु। 54 रक्त क्रांति रक्तदान शिविरों के समस्त भागों में अब तक 1678 से अधिक ब्लड यूनिट्स रक्तदान करवाने के पश्चात मरीजों के लिए रक्त की आपूर्ति हेतु सिविल अस्पताल बीना के सभागार में आज विश्व एड्स दिवस के अवसर पर प्रात: 11 बजे से शाम 5 बजे तक सिविल अस्पताल बीना के डॉक्टर्स व अस्पताल स्टाफ एवं स्वास्थ्य सेवा संगठन बीना के द्वारा रक्त क्रांति रक्तदान शिविर 55 का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में समाजसेवा, जीव रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, सुरक्षा, खेल, शिक्षा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने वालों को रक्त क्रांति उत्कृष्ठता सम्मान शील्ड एवं सर्टिफिकेट से सम्मानित भी किया जाएगा।

मैरिज गार्डन से दुल्हन के जेवर चोरी

सागर, देशबन्धु। मकरोनिया इलाके में स्थित मैरिज गार्डन में चल रहे शादी समारोह से दुल्हन के गहने चोरी हो गए। वारदात सामने आते ही परिवार के लोगों ने मकरोनिया थाने पहुंचकर शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार फरियादिया होमगार्ड की महिला सैनिक रजनी चौबे ने शिकायत में बताया कि मंगलवार की रात उनकी बेटी दीपाली चौबे की शादी होटल पैराडाइज के मैरिज गार्डन से हो रही थी। शादी समारोह का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान रात करीब 10.30 बजे जिस बैग में बेटी को शादी में देने के लिए सोने व चांदी के गहने रखे थे, उस बैग को अज्ञात चोर चोरी कर भाग गया। बैग नहीं मिलने पर काफी तलाश किया। परिवार व रिश्तेदारों से पूछताछ की। लेकिन कहीं नहीं मिला। जिसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि बैग काले और सफेद रंग का था। बैग में सोने का नैकलेस, हार मोती वाला, एक जोड़ी सोने की तीन टोकरी वाली झुमकी, एक सोने का पैंडल, जिसमें पन्ना लगा है, एक जोड़ी सोने के कानफूल, एक जोड़ी कानफूल लटकन वाले, एक जोड़ी चांदी की बड़ी पायल, तीन जोड़ी चांदी की पतली पायलें, एक चांदी की कमरबंध, एक चांदी की गाय, चांदी के पांच बर्तन, पांच जोड़ी चांदी की बिछिया, एक जोड़ी चांदी की चार-चार चैन वाली बिछड़ी, एक चांदी की सींख, एक डिब्बी में चांदी की पायलें और बिछड़ी, एक डिब्बी में सोने की अंगूठी और करीब 15 से 20 व्यवहार के लिफाफे रखे थे। एक मोबाइल भी बैग में था। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मैरेज गार्डन में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही शादी समारोह में हो रही वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी के फुटेज भी देख रही है।

बीटीआईआरटी में राज्य स्तरीय हॉकी प्रतिस्पर्धा का आयोजन

सागर, देशबन्धु। बुंदलेखंड अंचल के प्रख्यात इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन संस्थान बीटीआईआरटी में गुरुवार को आरजीपीव्ही द्वारा प्रायोजित राज्यस्तरीय हॉकी प्रतिस्पर्धा का आयोजन खेल परिसर में किया गया। जिसमें सागर, भोपाल एवं उज्जैन नोडल की टीमों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह में एसडीएम सागर विजय डेहरिया ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमेन संतोष कुमार जैन घड़ी ने की। सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं मेमेंटो से सम्मान बीटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमेन संतोष कुमार जैन घड़ी ने किया। सभी अतिथियों ने सम्मिलित खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर प्रतिस्पर्धा का आगाज किया एवं कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई। उद्घाटन मैच सागर नोडल एवं उज्जैन के बीच खेला गया जिसमें सागर नोडल की टीम 7-2 विजयी होकर फाइनल में पहुंची। फाइनल मैच सागर नोडल एवं भोपाल नोडल के मध्य खेला गया जिसमें भोपाल नोडल की टीम ने सागर नोडल की टीम ने 5-0 से पराजित कर 2023 की राज्य स्तरीय हॉकी चैंपियन बनी। आयोजन प्रतिस्पर्धा में निर्णायक रेफरी की निस्पक्ष एवं अहम भूमिका नफीस खान एवं उमेश मौर्य ने बखूबी निभायी। खेल का आंखो देखा हाल प्रो. गजेंद्र सिंह एवं इंजी. गौरव खरे ने सुनाया। समापन समारोह में स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ चंद्रशेखर शुक्ला आईएएस ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। अंत में विजेता एवं उपविजेता टीम को सम्मानीय अतिथियों द्वारा ट्राफी प्रदान की गई व दोनों टीमों के खिलाड़ियो को गोल्ड एवं सिल्वर मेडल प्रदान किये गये। अतिथियों द्वारा दोनो निर्णायकों को सम्मान राशि एवं मेमेंटो भेंट किये गये। आयोजित प्रतिस्पर्धा में प्रदीप अविद्रा डीएसओ खेल परिसर व अनवर खान यूटीडी कोच ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति देकर खिलाड़ियों एवं आयोजको का उत्साहवर्धन किया। इस गौरव पूर्ण आयोजन में बीटी प्रबंधन से सचिव इंजी. सत्येन्द्र जैन, एलएसएसएम डायरेक्टर संदीप जैन एवं बीटीआईआरटी के प्राचार्य डॉ. वीरेश फुसकेले, रजिस्ट्रार तरूण कुमार सिंह, प्रो. नवीन खरे, मनीष जैन, भूपेन्द्र नामदेव, दीपक रैंकवार, कलीम खान, रूपेश प्रजापति के साथ उपस्थिति देकर खिलाड़ियो का भरपूर उत्साहवर्धन किया। प्रतिस्पर्धा का बखूभी समन्वयन सागर नोडल क्रीड़ा अधिकारी समर्थ जैन, बीटीआईआरटी संस्था के क्रीड़ा अधिकारी शैलेन्द्र कुर्मी एवं शेख शाहिद ने किया।

सार समाचार

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल

छतरपुर, देशबन्धु। सागर कानपुर नेषनल हाइवे पर गुलगंज के आगे बंधा तिगैला पर एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक घायल हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भातपुरा निवासी राजेश राजपूत और रविन्द्र राजपूत अपनी बाइक से बहन के यहां बरेठी से लौटकर जब अपने गांव की ओर जा रहे थे तभी ये हादसा हो गया। बंधा तिगैला के पास उनकी बाइक को सामने से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल दौनों युवकों को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

2 बाइकों की टक्कर में युवक की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के सटई थाने के अंतर्गत दो बाइकों में आमने सामने जोरदार टक्कर हो जाने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि दूसरे को इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया गया है कि बाइकों की टक्कर होने से सिर में अधिक चोट आ जाने के कारण 27 साल के मुकेश अहिरवार की दर्दनाक मौत हो गई है। जबकि 50 वर्षीय गिरधारी अहिरवार को बुरी तरह से घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया मुकेश के शव का पोस्टमार्टम कराके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मर्ग कायम करके मामले की जांच की जा रही है।

आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर मिलेंगे चुनाव परिणाम

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवम्बर को हुए मतदान की 3 दिसंबर को मतगणना होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर संदीप जीआर ने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने चुनाव परिणाम जानने के लिए हाईटेक व्यवस्था की है। 3 दिसम्बर को प्रात: 8 बजे से प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रात: 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी।पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। राउंड जैसे जैसे होते जाएंगे वैसे वैसे मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा।

व्यापारी के सुने घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

हरपालपुर, देशबन्धु। चुनाव के बाद पुलिस की चौकसी कम होने का फायदा उठाकर चोर सक्रिय हो गए हैं। बीती रात चोरों ने राजपूत कालोनी में एक व्यापारी के सुने घर के ताले तोड़कर लाखों रुपये कीमती सामान चुरा लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के सहारे उसकी तलाश में जुट गई है। बुधवार गुरुवार की रात पुलिस के रात्रि गश्ती पॉइंट से महज कुछ मीटर की दूरी पर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर चोरों ने पुलिस की गश्ती की सच्चाई उजागर कर दी है। राजपूत कलोनी में टीवीएस एजेंसी के पास रहने वाले व्यापारी संदीप साहू के परिवार के लोग घर के ताले लगाकर गांव गए थे। रात में दो युवक बाइक से आये और मुख्य गेट का ताला तोड़ा और घर मे प्रवेश कर अंदर कमरे के ताले चटकाए। लोहे की अलमारी का लॉक औजार की मदद से तोड़कर 2 लाख नगद, सोने की जंजीर एवं चांदी ले उड़े। यहां से करीब ढाई लाख से अधिक का सामान चोरी हुआ है। पुलिस ने गृहस्वामी के आवेदन पर चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश में शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरे में कैद चोरी की पूरी वारदात के फुटेज के सहारे जांच की जा रही है।

ससुर ने बहू को बनाया दुराचार का शिकार

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के भगवां कस्बे में एक 26 वर्षीय महिला को उसके ही ससुर ने अपने एक साथी के साथ मिलकर दुराचार का शिकार बना डाला है। फरार आरोपी व उसके साथी के खिलाफ मामला दर्ज करके पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी है। पीडिता ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी है वह आए दिन उसे प्रताणित करता था। उसने जब अपनी समस्या ससुर को बताई तो उसने भगवां में एक कमरा किराये पर दिलाकर वहां उसे रख दिया। रात में ससुर जयशंकर पटैरिया अपने परिचित मुकेश बनिया के साथ उसके यहां पहुंचा और हत्या करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करके फरार ही गया है।

पश्चिमी विक्षोभ ने बदला मौसम का मिजाज, सर्दी से जनजीवन प्रभावित

बौछारों के साथ दिन भर छाया रहा कोहरा, सर्दी से ठिठुरे लोग

छतरपुर, देशबन्धु। बुधवार की रात 12 बजे बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल दिया है। गुरूवार को दिन भर कोहरा छाया रहा और रूक रूककर बौछारें पडती रहीं। जिससे सर्दी में तेजी से इजाफा होने के कारण लोग ठिठुरने लगे हैं।

पहाड़ों पर जोरदार बर्फबारी के कारण उत्तरी हवाएं सर्दी लेकर इस अंचल को ठिठुरा रही हैं। पहाड़ से लेकर मैदान तक ठंड ही ठंड है। गुरूवार को आसमान पर बादलों की पर्त छाई रहने से सुबह कब हुई और दिन कब ढल गया लोगों को पता ही नहीं चला। पूरे अंचल में दिन भर कोहरा छाया रहा। गरज चमक के साथ रूक रूककर बौछारें पडती रहीं। जिससे मौसम का मिजाज बदल गया है। सर्द हवाओं ने ठंड को बढा दिया है, हालांकि बादलों के कारण तापमान में दो डिग्री का इजाफा जरूर हुआ है। दो दिन पहले जब आसमान साफ था तब खजुराहो का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री था जो बादल छाये रहने से 3 डिग्री बढकर 15 डिग्री दर्ज किया गया है। मगर कोहरे और बौछारों के कारण चलने वाली सर्द हवाओं से सर्दी से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इंसानों से लेकर जानवर ठंड से कराह रहे हैं। सर्दी से बचाव के लिये लोग गर्म कपडों का सहारा ले रहे हैं। जगह जगह लोग आग तापकर सर्दी से लडते दिखाई दे रहे हैं। बुधवार गुरूवार की आधी रात के बाद से गुरूवार को सुबह तक घने कोहरे के कारण विजिबिलटी बेहद कम रही जिससे यातायात में काफी बाधाएं आने से सड़क और रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। दिन में भी पूरे अंचल में कोहरे की चादर तनी रहने से वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। सड़कों पर वाहन हेडलाइट जलाकर रेगते नजर आए।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से पड रही बौछारें : मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में परिवर्तन आया है। राजस्थान के उपर कम दवाब का क्षेत्र बना है। जिससे पूरे अंचल में हल्की बारिश और बूंदाबांदी का दौर चल रहा है। आने वाले दो दिनों तक इसी तरह बादल, बारिश व कोहरे का सिलसिला बराबर बना रहेगा। बादल छटने के बाद न्यूनतम तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज होने से सर्दी और अधिक बढ़ेगी। आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह के मौसम रहने की संभावनाएं हैं। दिसंबर के पहले सप्ताह से तापमान में धीरे धीरे गिरावट आने लगेगी। ऐसे में और भी तेज ठंड का असर दूसरे सप्ताह से देखने को मिलेगा।

सुबह से ठिठुरते हुये स्कूल जा रहे बच्चे : सर्दी अचानक बढ जाने से सबसे अधिक प्रभावित वे बच्चे हो रहे हैं जिन्हें सुबह से जल्दी उठकर सर्दी में ठिठुरते हुये स्कूल जाना पड रहा है। जिले में स्कूलों में कक्षा नर्सरी से पांचवी कक्षा तक के छोटे बच्चों के लिए स्थानीय प्रशासन अभी तक अवकाश घोषित नहीं कर सका है। बच्चों को गुरूवार को सुबह भी ठिठुरते हुए कड़ाके की सर्दी में स्कूल जाना पड़ा है। हालांकि कलेक्टर संदीप जीआर ने सुबह की पाली में स्कूल जाने वाले बच्चों की परेशनी को देखते हुये स्कूलों का समय सुबह 7 बजे से बदलकर 9 बजे से जरूर कर दिया है। कलेक्टर के इस आदेश का पालन शुक्रवार से किया जाने लगेगा जिससे बच्चों को कुछ राहत जरूर मिल जायेगी।

पुलिस ने गुम हुए बच्चे को 6 घंटे में खोजकर परिजनों को सौंपा

छतरपुर, देशबन्धु। लवकुशनगर से अचानक गायब हुये 12 वर्षीय बच्चे को पुलिस ने 6 घंटे के अंदर खोजकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस की त्वरित कार्यवाही की सराहना की जा रही है।

जानकारी के अनुसार दोपहर में थाना लवकुशनगर में सूचना प्राप्त हुई कि थाना प्रकाश बम्हौरी के ग्राम अभऊ निवासी राजू प्रजापति का 12 वर्षीय बेटा लवकुशनगर के स्कूल में पढ़ता है। वह ग्राम अभऊ से रोज बस से स्कूल तक आता जाता है। वह घर से स्कूल जाने के लिये निकला पर स्कूल नहीं पहुंचा। थाने पर सूचना प्राप्त होते ही स्थिति की गंभीरता को समझकर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देशन में जिले के सभी थानों की पुलिस बालक की खोज में लग गई। नगसर पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमन मिश्रा ने प्रथक प्रथक पुलिस टीम बनाकर नगर के विभिन्न स्थानों पर बच्चे की तलाश में लगाई। बच्चे के हुलिये के आधार पर शहर में विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। बस स्टैंड, महोबा फोर लाइन ब्रिज सहित सभी सार्वजनिक स्थानों पर खोजा गया। इसी दौरान शाम को जानकारी मिली कि एक बालक बस स्टैंड छतरपुर में बैठा है। पुलिस टीम ने मौके पर तत्काल पहुंचकर हुलिया के आधार पर पहचान की। बच्चे ने पूंछताछ में बताया कि नौगांव में उसके मामा लोग रहते हैं वह उनके पास जा रहा है, इस बारे में उसने घर में किसी को कुछ नही बताया है। परिजनों को बुलवाकर पहचान कराके बच्चे को उनके सुपुर्द कर दिया गया है। परिजनों ने पुलिस की तत्परतापूर्ण कार्यवाही के लिये आभार जताया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली अरविन्द कुजूर, थाना प्रभारी लवकुशनगर प्रशान्त सेन, प्रधान आरक्षक पवन, आरक्षक कपीन्द्र सिंह घोष, भगवानदास यादव, जिला स्तरीय पुलिस कन्ट्रोल रुम छतरपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के गेट का निर्माण कार्य अटका

नौगाव, देशबन्धु। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हाइवे पर खुलने वाले गेट का निर्माण अटका पड़ा है। इस गेट के निर्माण के लिए हाइवे पर दीवार तोड़कर कार्य प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद जनता के विरोध के कारण तत्कालीन एसडीएम विनय द्विवेदी ने स्वयं खड़े होकर दीवार तुड़वाई थी। जिससे अस्पताल आने जाने वाले मरीजों और स्टाफ को कोई परेशानी न हो। दरअसल पानी बरसने पर मेन गेट पर पुलिया की ऊँचाई ज्यादा होने से घुटनों तक पानी भर जाता है जिससे मरीजो को निकलने में परेशानी होती है। इसके अलावा गर्ल्स स्कूल की तरफ से जो अस्पताल का गेट था उस पर अस्पताल प्रशासन द्वारा ताला जड़ दिया गया, जिससे नगर और बाहर से आने वाले मरीजो को अस्पताल पहुचने में परेशानी होती थी। सूत्र बताते हैं कि डॉक्टरों में प्राइवेट प्रेक्टिस को लेकर खींचतान के कारण गेट बंद किया गया था, क्योंकि डॉ एन के गुप्ता का बंगला गेट के पास था और बड़ी संख्या में मरीज उनके पास पहुचते थे इस कारण गेट बंद करवा दिया गया था। मगर जनविरोध के बाद एसडीएम ने इस गेट को भी जनहित में खुलवा दिया था।अब देखनी वाली बात यह है कि लगभग तीन बर्ष से अटके गेट को आखिर कब तक बनवाया जाता है।

आचार संहिता का लाभ उठाकर मनमाने तरीके से कराया जा रहा काम

नौगाँव, देशबन्धु। नगर के प्रमुख मार्ग में लगे पेवर्स उखाड़कर मनमाने तरीके से नगर पालिका सीसी रोड काम करवा रही है। जानकारी के अनुसार सड़क किनारे लगे पेवर्स अभी सही स्थिति में थे और आमजन को कोई परेशानी नही थी। न ही वाहनों को निकलने में समस्या होती थीं।मगर कमीशन के चक्कर मे आचार संहिता का फायदा उठाकर नगर पालिका द्वारा करोड़ो रूपये के बजट से सीसी रोड का निर्माण कराने लगी है। जिससे कोई जबाब तलब नही कर सके और निर्माण पूरा हो जाये। यही नही कायाकल्प में भी करोड़ो के सीसी रोड निर्माण में धांधली हुई है। इसमें रेत की जगह डस्ट का उपयोग किया गया है। जिससे सीसी की उम्र कम हुई है। इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

नगर में कई मुहल्ले ऐसे है जहां बरसात में चलने में मशक्कत करनी पड़ती है मगर नगरपालिका इस ओर ध्यान नही देती है। लोगों का कहना कि आखिर क्यों चुना गया आचार संहिता का समय, क्योकि इस समय सभी अधिकारी चुनाव में व्यस्त है और कोई इस ओर ध्यान नही दे रहा है। जिसका पूरा फायदा निर्माण एजेंसी और अधिकारी उठा रहे हैं।

कुल्हाडी से जानलेवा हमले में 4 युवक घायल

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के गुलगंज थाना के अंतर्गत ग्राम अनगौर में खेत से डांटकर भगा देने से बुराई मानकर आधा दर्जन से अधिक युवकों ने घेरकर कुल्हाडी से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे चार युवक बुरी तरह से घायल हो गए है। जानकारी के अनुसार बंदू रैकवार ने कुछ दिन पहले गांव के कुछ युवकों को किसी बात पर डांटकर भगा दिया था। इसी बात से बुराई मानकर बैठे छोटे लोधी, बंदी, कुंजीलाल, कैलाष, हल्के सहित करीब आधा दर्जन युवाओं ने बंदू को देबू रैकवार, भज्जू रैकवार और भज्जू कुषवाहा के साथ जाते हुये घेर लिया। जब तक वे लोग माजरा समझ पाते तब तक सभी ने कुल्हाडी से उन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में चारों युवक घायल हो गये है। घायल हालत में सभी ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ट्रांसफार्मर बदलवाने ग्रामीणों ने किया प्रर्दशन, जताई नाराजगी

छतरपुर, देशबन्धु। बक्सवाहा विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्र भुजपुरा, सुनहरा, कुसमाड गांव के ट्रांसफार्मर खराब रहने से परेशान लीगों ने प्रदर्शन करके नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है।

कांग्रेस के प्रदेश युवा सचिव आशिक मंसूरी के नेतृत्व में दिनेश लोधी, अमित प्रजापति, नरेंद्र जमींदार, लखन लोधी, फूल सिंह लोधी, मान सिंह लोधी, दुरग सिंह लोधी, करण सिंह लोधी, शंकर सिंह लोधी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन करके ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि विद्युत कंपनी के कार्यालय में किसी काम को लेकर आते हैं तो ओआईसी कभी नही मिलते हैं। गांव में ट्रांसफार्मर काफी दिनों से खराब पड़ा है, जिसके कारण गांव में बिजली नहीं मिल रही है। रोज अंधेरे में रात काटते हैं। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिल रही है।

अंधेरे में बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के लोगों ने एडवाइस भी कटवा ली है, उसके बावजूद गांव में ट्रांसफार्मर नहीं पहुंचा है। उनका कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार विद्युत कंपनी को बताया लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने विद्युत कंपनी कार्यलय के समक्ष धरना प्रदर्शन करके चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों में समस्या का निराकरण नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बेमौसम बारिश के साथ ओलों की हुई बौछार

घुवारा, देशबन्धु। वेमौसम अचानक वारिस होने से किसानों की चिन्ता बढ़ा देती है जहां छतरपुर जिला में दो दिनों से अचानक आसमान में बादल छाये हुए तो वहीं वुधवार की दोपहर अचानक तेज हवा? के साथ जोरदार वारिश हो गई वहीं वारिश के साथ साथ ओले भी गिरना शुरू हो गया? ओले गिरते ही? किसानो की चिन्ता बढ़ने लगे करीब 1 तेज हवा व ओले के साथ पानी? गिरने से सरसों व चना की? फसलों के पौधे टूटकर खेत की? जमीन में मिल गये तो वहीं गेहूं की बोनी के लिए पानी लगे खेत पानी? से लबालब भर गये जिससे 15 दिनों तक खेतों में बोनी? होना बढ़ गया? जिससे किसानों के चहरे माहूस पड गये किसानों ने चर्चा करते हुए बताया है कि 15 दिन फसल लेट बोने से पैदावार पर असर पड़ता है लेकिन क्या करें किसानों का दिल तो पत्थर का है जो सहन कर रहा है।

यूरिया खाद की बढ़ी डिमांड, सोसायटी सहित वेयर हाउस में खाद शून्य : जहां एक तरफ पहले ही किसान डीएपी खाद की? किल्लत से जूझता रहा किसानो को सोसायटी सहित खाद गोदाम में डीएपी खाद नहीं मिला जिससे किसानों को शासन के तय रेट से अधिक दामों में डीएपी खाद बाजार से खरीदना पड़ा तो वहीं अचानक वेमौसम बारिश होने से यूरिया खाद की किसानों को जरुरत पड़ गई है लेकिन घुवारा क्षेत्र की समस्त सोसायटी सहित खाद वेयरहाउसमे यूरिया उपलब्ध नही है जिससे अब किसानों की मुस्किल बढ़ती नजर आ रही है लेकिन इस समस्या की ओर प्रशासन का कोई ध्यान नही है।

अस्पताल बना शराबियों का अड्डा, जिम्मेदार मौन

छतरपुर, देशबन्धु। बक्सवाहा का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अव्यवस्थओं की मामले में हमेशा चर्चाओं में रहता है। इस बार अस्पताल को शराबियों ने अपना अड्डा बनाकर सुर्खियों में ला दिया है। अस्पताल के ड्रेसिंग रूम के सामने शराब और सोडे की बोतलों का ढेर लगा होने से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किस तरह से शराबियों का अड्डा बन गया है। यहां चारों ओर शराब की बोतले पड़ी मिलना आम बात हो गई है। परिसर में शाम को शराबियों की आवाजाही रोकने और शराब की बोतलों को हटाने की ओर जिम्मेदारों का ध्यान भी नहीं है। लोगों का कहना है कि ऐसी लापरवाही को देखकर लगता है जिम्मेदार अधिकारी अपने दायित्व का सही तरीके से निर्वहन नहीं करा पा रहे हैं। बड़ा सवाल ये है कि पूरे अस्पताल परिसर में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन का इस ओर ध्यान क्यो नही है।

हाइवे पर बाइक से गिरकर महिला की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। ओरछा रोड थाना के अंतर्गत रीवा ग्वालियर हाइवे पर ग्राम धमौरा के पास तेज गति से जा रही एक बाइक से गिरकर एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार छतरपुर के बेनीगंज मोहल्ला निवासी धनष्याम पटेल अपनी पत्नी शांति पटेल के साथ बाइक से हरपालपुर के पास ग्राम चुरवारी में पथरिया माता के दरबार में दर्शन करने गया था। वहां से वापस लौटते समय ग्राम धमौरा के पास अचानक बाइक से शांति नीचे गिर गई। जिससे उसे काफी चोटें आ गई। इसी दौरान वहां से हरपालपुर थाने का पुलिस वाहन गुजरा।

हादसा देखकर हरपालपुर थाने के उपनिरीक्षक अरविंद यादव ने तुरंत पुलिस वाहन से लहुलुहान महिला सहित उसके पति को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डाक्टर ने परीक्षण करके महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मार्ग कायम करके शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया है।

5 माह से फरार चल रहे धारा 306 के आरोपियों ने न्यायलय के समक्ष किया समर्पण

- मजदूर पर चोरी के शक में मालिक और मुनीम ने की थी मारपीट, आहत होकर मजदूर ने कर ली थी आत्महत्या
- दोनों आरोपी चल रहे थे फरार
- पुलिस अधीक्षक ने किया था पांच पांच हजार का इनाम घोषित

घुवारा, देशबन्धु। नगर घुवारा के भगवां रोड़ स्थित दाल मील के एक मजदूर द्वारा आत्म हत्या किए जाने के बहुचर्चित मामले में दोषी दाल मील मालिक और मील का मुनीम ने विगत बुधवार को बिजावर न्यायालय के समक्ष अपने आप सरेंडर कर दिया है।घटना के बाद से दोनों आरोपी करीब पांच माह से पुलिस को चकमा देकर फरारी काट रहे थे।इससे पहले दोनों आरोपियों ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत की अपील की थी लेकिन हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी।तब से दोनों आरोपी फरार? चल रहे थे। आपको बता दें कि थाना भगवा के अपराध क्रमांक 167/23 धारा 306,34 आईपीसी में दिनाक 02/07/23 को भंगवा रोड स्सेथित द्धारिका धीश आटा मील पर सगुन सिंह देखरेख का काम करता था तभी मील के मालिक संजय असाटी व मुनीम उपेंद्र खरे ने चोरी? का इल्ज़ाम लगाते हुए मारपीट कर दी? मारपीट से आहत होकर सगुन सिंह द्वारा कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया जहां टीकमगढ़ जिला अस्पताल जाते समय ही रास्ते में ही दम तोड दिया और मृतक के वयनो पर संजय असाटी व उपेंद्र खरे पर मामला पंजीबद्ध किया लेकिन आरोपी संजय असाटी एवं कलु उर्फ उपेंद्र खरे निवासी घुवारा के घटना दिनाक से फरार चल रहे थे जिन्हें लगातार पुलिस द्वारा तलाश किया गया एवं उनके घर पर दबाव दिया गया जिसके कारण कल दिनांक 29, 11, 23 को उपरोक्त आरोपी गणों ने बिजावर न्यायालय में सरेंडर किया जहां से न्यायलय द्वारा जेल भेज दिया गयख उपयोक्त आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक महोदय छतरपुर द्वारा 5000, 5000 का इनाम घोषित किया गया था।

सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ शिशु नगरी कार्यक्रम

नौगांव, देशबन्धु। नगर में स्थित सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिशु नगरी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें दीप प्रज्जवलन और सरस्वती वंदना के बाद कार्यक्रम हुआ शुरू हुआ। जिसमें बच्चों के द्वारा अलग अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया। जिसमें रंग मंच, लोकगीत, लोरी, प्रश्न मंच, नृत्य, मिटटी से खिलौने बनाना, बिन्दी लगाना, रंगौली, मंहेदी, चंदा गोटी, ईट पर संतुलन से चलना, सहयोग का खेल, अक्षर दौड़ प्रतियोगिता, निशानेबाजी, टायर दौड़, जलेबी खाओ, गुब्बारे फुलाओ जैसे प्रतियोगिताओं मे बच्चो ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष हेमलता पाठक रही एवं अध्यक्षता अभिलाषा शिवहरे के द्वारा की गयी। कार्यक्रम के दौरान तरूणा चौहान, वीरेन्द्र पारासर, प्राचार्य धीरेन्द्र श्रीवास्तव, श्रीमती सविता गुप्ता, शशि पारासर के साथ विद्यालय के शिक्षक और छात्र छात्राऐं मौजूद रहे।

देशबन्धु
सागर, शुक्रवार 1 दिसम्बर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मौतों वाली कार्य संस्कृति

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की ताज़ा रिपोर्ट बतलाती है कि दुनिया की एक बड़ी आबादी बहुत खराब हालात में काम करती है। स्थितियां इतनी बुरी हैं कि उनके कारण लाखों श्रमिक और कर्मचारी किसी न किसी वज़ह से दम तोड़ देते हैं, फिर वह चाहे काम का बोझ हो या कार्य स्थलों पर होता प्रदूषण। यह एक तरह से क्रूर पूंजीवाद के उसी चेहरे का प्रतिबिम्ब है जो मुनाफा कमाने के लिये अमानवीयता की तमाम सरहदें लांघता है। पिछले कुछ अरसे से पूंजी के मुकाबले श्रम की घटती महत्ता का भी यह साक्ष्य है।

आईएलओ की इस 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक काम से सम्बन्धित दुर्घटनाओं और विभिन्न तरह की बीमारियों के चलते विश्व में 30 लाख लोगों ने जान गंवाई। यह आंकड़ा साल 2000 के मुकाबले 12 फीसदी ज्यादा तथा 2015 की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है जो यह बतलाने के लिये पर्याप्त है कि लोगों का मरना बदस्तूर जारी है। जो तथ्य प्रमुखता से सामने आया वह यह है कि मौतों का सबसे बड़ा कारण है प्रति सप्ताह 55 घंटों से अधिक समय तक की काम की अवधि का होना। अकेले इसी कारण से करीब 7.5 लाख कर्मचारियों व श्रमिकों ने प्राण खोये। ऐसे में इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के उस बयान का भी स्मरण हो आता है जिन्होंने हाल ही में एक चर्चा के दौरान कहा था कि 'अगर भारत को चीन से मुकाबला करना है तो यहां के प्रत्येक युवा को सप्ताह में कम से कम 60 घंटे काम करना चाहिये।' दुनिया जब 55 घंटे से अधिक अवधि तक काम करने का नतीज़ा बड़ी संख्या में लोगों की मौत के रूप में देख रही है, तो नारायण मूर्ति का यह बयान निष्ठुर ही कहा जा सकता है। यह पूंजीवाद का वह विद्रूप पक्ष है जिसमें कारोबारियों को लोगों की जान की परवाह नहीं होती और वे आर्थिक लाभ को ही तरज़ीह देते हैं। ये वे मौतें हैं जिनकी रिपोर्ट हुई है या जानकारियां दस्तावेज़ों तक पहुंच सकी हैं। बड़ी संख्या में ऐसे गैर-संगठित क्षेत्र के लोग हैं जो जान तो गंवाते हैं परन्तु वे घोषित आंकड़ों के हिस्से नहीं बन पाते। यह पूरी दुनिया का हाल है, लेकिन तीसरी दुनिया कहे जाने वाले देशों में श्रमिकों की स्थिति बहुत ही दयनीय व चिंतनीय है जो 21वीं सदी में हासिल की गई वैज्ञानिकता, तकनीकी विकास एवं आधुनिक प्रबंधन शैली के भी विपरीत है। एशियाई, अफ्रीकी एवं लातिन अमेरिका के कई अविकसित व विकासशील देशों में लोगों को खतरनाक परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। ये मौतें व्यापक पैमाने पर मानवाधिकार की दुर्दशा को भी बयान करती हैं।

वर्गीकृत मौतों के अलावा सोचे-समझे बिना थोपे जाने वाले सरकारी निर्णयों के कारण भी बड़ी संख्या में कार्य स्थलों पर मौतें होती हैं। भारत में नोटबंदी एक ऐसा ही उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सनक व अदूरदर्शिता से उपजे इस फैसले का नतीज़ा देश ने बैंकों के बाहर लोगों की तथा बैंकों के भीतर कर्मचारियों की मौतों के रूप में देखा था। इसी प्रकार कोरोना काल में भी लोगों से लिये जा रहे काम के दौरान भी हजारों लोगों ने जानें गंवाई थीं। उत्तर प्रदेश में कोविड के दौरान स्थानीय निकायों के चुनाव कराये गये थे। नौकरी खोने के डर से राज्य सरकार के हजारों कर्मचारियों व अधिकारियों ने दूर-दराज जाकर चुनावी ड्यूटी की थी। पर्याप्त ऐहतियात बरतने की सुविधा न होने और इलाज की अनुपलब्धता के कारण बड़ी तादाद में मौतें हुई थीं।

आईएलओ की रिपोर्ट के अनुसार अन्य कारण तथा उनसे मरने वाले लोगों की संख्याएं इस प्रकार हैं- गैस रिसाव व आगजनी से 4.5 लाख, काम के दौरान घायल होकर 3.63 लाख, एसबेस्टस 2.09 लाख, सिलिका 42 हजार से ज्यादा, कार्य जनित अस्थमा लगभग 30 हजार, विकिरण 18 हजार, डीज़ल इंजिन एग्जास्ट 14700, अर्सेनिक 7600 एवं निकल से 7300। जो सेक्टर सर्वाधिक खतरनाक माने गये हैं और जिनमें सर्वाधिक घटनाएं हुई हैं, उनमें खनन, विनिर्माण, बिजली तथा प्राकृतिक गैस हैं। इस रिपोर्ट पर सिडनी में चल रही 23वीं कांग्रेस में चर्चा होगी जिसमें सुरक्षित कार्य पद्धति विकसित करने सम्बन्धी उपाय सुझाए जायेंगे। काम के दौरान घायल होने वालों की संख्या तो करोड़ों में है जो यह बतलाता है कि कामकाजी जनता के लिये सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करने की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

भारत के परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह रिपोर्ट ऐसे वक्त पर आई है जब भोपाल गैस त्रासदी के करीब 40 साल पूरे होने जा रहे हैं। 2 व 3 दिसम्बर, 1984 की मध्य रात्रि को यहां स्थित यूनियन कार्बाइड के संयंत्र से 45 टन मिथाइल आईसोसाइनेट का रिसाव हुआ था। इससे 15 से 20 हजार लोग मारे गये थे और करीब 6 लाख लोगों पर उसका प्रभाव पड़ा था। इनमें बड़ी तादाद में सामान्य जनता के अलावा संयंत्र के कर्मचारी थे जो या तो कार्यरत थे अथवा आसपास ही रहते थे। बेशक मरने वाले गैर कर्मचारी अधिक हैं परन्तु यह बतलाने के लिये ये आंकड़े पर्याप्त हैं कि कर्मचारियों को किन हालात में काम करना पड़ता है। इस त्रासदी को अब तक की दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा के रूप में निरूपित किया जाता है।

कारखानेदारों की औद्योगिक सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण पर खर्च न करने की प्रवृत्ति से काम करने वालों की जान हमेशा जोखिम में रहती है। शासकीय विभाग एवं नियामक एजेंसियां भी इस ओर ध्यान नहीं देतीं। संवेदनहीन सरकारी मशीनरी व सरकारें सर्वहारा की बजाये पूंजीपतियों की पक्षधर होती हैं जिसका परिणाम यह मौतों वाली कार्य संस्कृति है।

खेल में खनकती पूंजी

विश्वकप क्रिकेट में कमेंटरी करने भारत आए पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की यह टिप्पणी अभी भी सोशल मीडिया पर चर्चा और विवाद का विषय बनी है कि आस्ट्रेलिया की फाइनल की जीत 'क्रिकेट माफिया के खिलाफ न्याय की जीत है।' उनका इशारा ही नहीं, साफ कहना है कि क्रिकेट पर माफिया काबिज है, वही अधिकांश फैसले कराने लगा है और आस्ट्रेलिया ने अपने खेल के दम पर इस क्रम को पलटा है। इस बयान से उन लोगों की बाछें खिल गई हैं जो गृहमंत्री अमित शाह और भारतीय क्रिकेट प्रशासन पर हावी जमात के आलोचक रहे हैं।

यह आलोचना अभी से नहीं डालमिया, बिन्द्रा और पवार राज के दिनों से हो रही है और इधर यह शोर बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भारतीय क्रिकेट और क्रिकेट प्रशासन का दबदबा बढ़ा है-निश्चित रूप से बढ़ा है, भारत की मर्जी के खिलाफ ज्यादा उल्टा फैसला होना बंद हुआ है। ऐसा भारत में क्रिकेट के बढ़ने, लोकप्रिय होने और क्रिकेट में बाजार की तरफ से भारी पैसा आने की वजह से ज्यादा हुआ है, किसी माफिया के चलते उतना नहीं। स्वयं पोंटिंग से लेकर आस्ट्रेलिया के ही नहीं, दुनिया के सारे बड़े खिलाड़ियों का 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) में खेलने को लालायित रहना इसका ही प्रमाण है।

जब से यह बदलाव हुआ है तब से भारत का माफिया प्रभावी हुआ हो या नहीं, भारतीय क्रिकेट प्रशासकों का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े फैसलों पर दबदबा बना है या नहीं, लेकिन इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के क्रिकेट प्रशासकों का दबदबा खत्म जरूर हुआ है। भारत ही नहीं तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के क्रिकेट प्रशासकों और खिलाड़ियों को उस दबदबे के चलते क्या-क्या भुगतना पड़ा है इसका किस्सा लिखना शुरू हो तो पूरा पुराण बन जाएगा। अपने अनुकूल पिच बनाने जैसी आलोचना तो बहुत ही हल्की है।

अब ऐसा भी नहीं है कि क्रिकेट प्रशासन बहुत लोकतान्त्रिक ढंग से चलता हो या वहां सारा कुछ पाक-साफ ही हो। इस बार ही आयोजन स्थल, मैदान, खेल के दिन से लेकर टिकट की ब्लैकमेलिंग और होटल या विमान भाड़ा तक में जो-जो हुआ उसे 'हेल्दी हैबिट' तो कदापि नहीं कहा जा सकता। खिलाड़ियों से ज्यादा क्रिकेट प्रशासकों की अय्याशी की भी चर्चा खेल के लिए स्वस्थ नहीं है। क्रिकेट के प्रसारण राइट्स की कहानी भी गंदली है और दर्शक बढ़ने का ज्यादा लाभ खिलाड़ी और प्रशासन की जगह बाजार उठाता जा रहा है।

अरविन्द मोहन

> विश्वकप और उससे पहले हुए एशिया कप के मुकाबलों (वैसे यह टूर्नामेंट बारिश के चलते बहुत बाधित हुआ) ने श्राद्ध-पक्ष में भी टीवी की रिकार्ड बिक्री से धमाकेदार शुरूआत करा दी थी तो बाजार की उम्मीद काफी होना स्वाभाविक है। उसने बेमौसम कोल्ड ड्रिंक की बिक्री बढ़ाने का अनुभव किया तो कोल्ड ड्रिंक के नए विज्ञापन ही नहीं बढ़े, दो-तीन ब्रांड भी बहुत धूम-धड़ाके से लांच कर दिए गए।

इसी का प्रमाण है कि भारत के अंदर भी नेट के जरिए मैच देखने/दिखाने का कारोबार सामान्य टीवी प्रसारण से अलग किया गया है। तब भी वहां साढ़े पांच करोड़ तक दर्शक पहुंचे ही नहीं हैं, ज्यादा समय तक क्रिकेट देखने का रिकार्ड भी दर्ज हो रहा है। दसियों भाषाओं में कमेंटरी हो रही है। दस सेकेंड के विज्ञापन का रेट तीस लाख रुपए तक पहुंचने की चर्चा है। एक फ़ोटो इस्तेमाल करने की कीमत चुकानी पड़ती है।

क्रिकेटरों के बल्ले से लेकर वर्दी तक पर कितनी कंपनियों के विज्ञापन का बोझ होता है इसकी गिनती मुश्किल हो गई है। कैमरा कहां फोकस करे इसको लेकर झगड़ा होता है। क्रिकेट दिखाने का सामान्य शिष्टाचार पीछे चला गया है। बाजार और ब्रांड के अलावा पर्सनल खुराक और ट्रेनर भी ब्रांड बनाते जा रहे हैं। कमेंटेटरों तक को मिलने वाले पैसे आंख फाड़ने वाले हैं, उपहार और अन्य सुविधाओं का तो हिसाब ही अलग है।

अलबत्ता, क्रिकेट प्रसारकों को भारत के फाइनल में हारने से ही नहीं, धमाकेदार ढंग से लगातार दस मैच जीतकर फाइनल पहुंचने से भी शिकायत रही है। भारतीय गेंदबाज इस बार फाइनल के अलावा लगभग सभी मैचों में सफल रहे और पूरे पचास ओवर की जगह छब्बीस, सत्ताईस ओवर में ही विपक्षी दल को समेट देते थे। विपक्ष के कम स्कोर को धमाकेदार भारतीय बल्लेबाज पचीस-तीस ओवर में ही पूरा कर लेते थे। ऐसा प्रतियोगिता के ज्यादातर मैचों में हुआ और नजदीकी मुकाबले देखने के लिए दर्शक भी तरसे। ऐसे मुकाबलों में बाजार के लोगों को विज्ञापन के लिए कम समय मिलता है। अगर पचास ओवर की पारी चालीस ओवर से पहले निपट जाए तो 7000 से लेकर 7500 सेकेंड के विज्ञापन समय का नुकसान होता है। यह समय 'कीमती' है और यह नुकसान बड़ा।

जब विश्वकप और उससे पहले हुए एशिया कप के मुकाबलों (वैसे यह टूर्नामेंट बारिश के चलते बहुत बाधित हुआ) ने श्राद्ध-पक्ष में भी टीवी की रिकार्ड बिक्री से धमाकेदार शुरूआत करा दी थी तो बाजार की उम्मीद काफी होना स्वाभाविक है। उसने बेमौसम कोल्ड ड्रिंक की बिक्री बढ़ाने का अनुभव किया तो कोल्ड ड्रिंक के नए विज्ञापन ही नहीं बढ़े, दो-तीन ब्रांड भी बहुत धूम-धड़ाके से लांच कर दिए गए। इस बार स्टेडियम ही नहीं सड़कों पर भी भारतीय जर्सी का रंग छाया रहा, पर उससे ज्यादा सड़क के किनारे सस्ते ब्रांड और आनलाइन बिक्री में ब्रांडेड माल की धूम रही। देश में सौ करोड़ की एक ब्रांड की जर्सी बिकने का अंदाजा है। आनलाइन बुकिंग में आठ-नौ गुना तक ज्यादा मांग आई है, पर कहना होगा कि फाइनल की हार ने इस धूम-धड़ाके पर रोक ही नहीं लगाई, इसकी चर्चा भी बंद करा दी है।

इन ब्रांडों से ज्यादा नुकसान क्रिकेट को यहां तक पहुंचाने वाले खिलाड़ियों की कमाई में हो गया लगता है। जिस विराट कोहली और रोहित शर्मा ने बल्ले से धूम मचाई, उनका ब्रांड मूल्य या विज्ञापनों की संख्या में ज्यादा वृद्धि का अनुमान नहीं है। यह तब है जब विराट ने अपनी पुरानी मार्केटिंग कंपनी से करार तोड़कर नई कंपनी से करार किया था जिससे नए रेट पाने में आसानी होगी। वैसे अकेले उनकी ही कमाई डेढ़ हजार करोड़ के करीब है।

बाकी तो इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा धूम मचाने वाले मोहम्मद समी को अभी तक कोई बड़ा ब्रांड नहीं मिला है और बाजार के जानकार मानते हैं कि उनको ज्यादा ब्रांड ही नहीं, ज्यादा रेट मिलने की भी उम्मीद नहीं है। उनको पहले 40 से 50 लाख रुपए प्रति ब्रांड मिलता था जो अब एक करोड़ तक पहुंच सकता है, जबकि बड़े खिलाड़ी और सिनेस्टार दस करोड़ तक पाते हैं। अब पोंटिंग को भारतीय क्रिकेट प्रशासकों पर टिप्पणी करने की सूझी, लेकिन उनको बाजार का यह खेल, यह दादागिरी, यह माफियागिरी समझ आती भी है या नहीं यह कहना कठिन है। वे इससे कहां अलग हैं, यह समझना तो और भी मुश्किल है। (सप्रेस)

खनिज तेल आपूर्ति में कटौती का सवाल, सभी निगाहें ओपेक की बैठक पर

■ के रवीन्द्रन

तेल बाजार इस सप्ताह आगामी ओपेक+ बैठक के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहा है जिसकी 26 नवम्बर की बैठक को आंतरिक समस्याओं के कारण स्थगित करना पड़ा था। यह बैठक उत्पादक और आयातक दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से इस आकलन के बीच कि एक नये उत्पादन में कटौती पर समझौता चुनौतीपूर्ण होने वाला है? हालांकि ओपेक की बैठकें पहले भी स्थगित की जा चुकी हैं, लेकिन यह पहली बार है कि यह स्थगन इतने दिनों तक चला है।

स्थगन के कारण ही कच्चे तेल की कीमतों में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सप्ताह की शुरुआत में क्रूड की कीमतें लगभग 74.70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही थीं, जबकि ब्रेंट क्रूड गिरकर लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था। मामूली वृद्धि दर्ज करने के बाद, सप्ताहों में इस तरह की पहली बढ़ोतरी, ओपेक+ द्वारा अफ्रीकी देशों में उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मंत्री स्तरीय बैठक को 30 नवंबर तक स्थगित करने के बाद सप्ताह के मध्य में कीमतों में गिरावट आई।

यह स्थगन ओपेक+ समूह के भीतर उत्पादन में कटौती के समझौते पर पहुंचने में कठिनाइयों का संकेत देता है। प्रत्येक सदस्य देश 2024 में कीमतों का समर्थन करने के लिए उत्पादन में कमी करने की आवश्यकता को स्वीकार करता है, लेकिन सवाल यह है कि आपूर्ति में कटौती का बोझ कैसे साझा किया जाये। यह माना जाता है कि आगे की कटौती के बिना, कीमतें 2024 तक 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी।

> राज्य आपूर्ति को सीमित करके कीमतें ऊंची रखने की इच्छा को इस ज्ञान के साथ संतुलित कर रहा है कि ऐसा करने से समग्र बाजार हिस्सेदारी में और गिरावट आयेगी। हाल की कीमत में गिरावट इस बात का संकेतक हो सकती है कि ओपेक बैठक में क्या उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि सऊदी ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि उनका मूल्य स्तर 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है।

जून 2023 में तय किये गये 2024 उत्पादन कोटा में 23 सदस्य देशों में से नौ के लिए कम उत्पादन लक्ष्य शामिल था, जो रूस, नाइजीरिया, अंगोला, मलेशिया, अजरबैजान, इक्वेटोरियल गिनी, कांगो, ब्रुनेई और सूडान हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन देशों के लिए कम उत्पादन कोटा स्वीकार करना भी मुश्किल होगा।

हालांकि, चुनौतियों के बावजूद, तेल बाज़ार विशेषज्ञ रिस्टैड एनर्जी को उम्मीद है कि ओपेक + आगामी बैठक में उत्पादन कम करने के समझौते पर पहुंचेगा। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे सदस्यों से आगे स्वैच्छिक कटौती शामिल हो सकती है। वहीं, रिस्टैड गतिरोध की संभावना से इनकार करने को तैयार नहीं हैं।

इस बात को लेकर काफी उम्मीदें हैं कि सरगना सऊदी अरब प्रतिदिन 1 मिलियन बैरल (बीपीडी) की स्वैच्छिक कच्चे तेल उत्पादन में कटौती पर क्या निर्णय लेता है। चाहे वे कोई भी रास्ता अपनाएं, उत्पादन में कटौती पर सऊदी अरब का निर्णय अंततः वैश्विक तेल कीमतों के अल्पकालिक भविष्य को आकार देगा।

राज्य आपूर्ति को सीमित करके कीमतें ऊंची रखने की इच्छा को इस ज्ञान के साथ संतुलित कर रहा है कि ऐसा करने से समग्र बाजार हिस्सेदारी में और गिरावट आयेगी। हाल की कीमत में गिरावट इस बात का संकेतक हो सकती है कि ओपेक बैठक में क्या उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि सऊदी ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि उनका मूल्य स्तर 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है।

सऊदी अरब ने उस बैठक के मौके पर अपनी स्वैच्छिक कटौती की घोषणा की, शुरुआत में जुलाई के लिए 1 मिलियन-बीपीडी उत्पादन कटौती की प्रतिबद्धता जताई। इसके बाद इसे मासिक आधार पर अगस्त और सितंबर तक बढ़ा दिया गया, जबकि सितंबर की शुरुआत में, रियाद ने इस साल के अंत तक विस्तार की घोषणा की। तेल बाजार यह देखना चाहेंगे कि क्या सऊदी अरब इन कटौती को 2024 तक बढ़ाता है या वह इन्हें धीरे-धीरे कम करना चाहता है या इस साल के अंत में इन्हें समाप्त होने देता है। चाहे जो भी हो, सऊदी अरब के फैसले का तेल बाजारों और विशेष रूप से अगले साल तेल की कीमत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

रिस्टैड एनर्जी का मानना है कि सऊदी स्वैच्छिक कटौती को 2024 तक नहीं बढ़ाया जायेगा, क्योंकि आपूर्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है, जो अगले साल की पहली तिमाही के लिए संतुलित बाजार का संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दूसरी तिमाही में 600,000 बीपीडी से अधिक का बाजार अधिशेष दिखाई दे रहा है। आगे बढ़ते हुए, अगले वर्ष की दूसरी छमाही में लगभग 450,000 बीपीडी की कमी होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, रिस्टैड को उम्मीद है कि इस साल लगभग 1.2 मिलियन के महत्वपूर्ण घाटे की तुलना में 2024 में तेल बाजार काफी संतुलित रहेगा।

हाल के सप्ताहों में तेल की कीमत पर गिरावट का दबाव बढ़ गया है, अत्यधिक आपूर्ति की चिंताओं के कारण भारी बिकवाली के कारण कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गई हैं। यह अक्टूबर की शुरुआत में शुरू हुए इज़राइल-हमास संघर्ष के फैलने के ठीक बाद तेल की कीमत के स्तर से काफी नीचे है, जब कीमतें लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। मंदी की उम्मीदों को और अधिक बल दे रहे हैं, हाल के आंकड़े, जिससे पता चलता है कि अमेरिकी वाणिज्यिक कच्चे माल की सूची पिछले चार हफ्तों में बढ़ी है और अब यह 440 मिलियन बैरल है, जो एक महीने पहले 420 मिलियन बैरल से अधिक था।

रिस्टैड विश्लेषण से पता चलता है कि, ऐसे परिदृश्य में जहां सऊदी अरब स्वैच्छिक कटौती का विस्तार नहीं करता है, बाजार में मंदी बढ़ेगी और अगले साल तेल की कीमत औसतन 80 डॉलर प्रति बैरल से थोड़ा ऊपर होगी। दूसरे छोर पर, यदि सऊदी अरब अप्रैल 2024 तक स्वैच्छिक कटौती बढ़ाता है और फिर धीरे-धीरे उन्हें कम करता है, तो 2024 में कीमत औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल होगी। आईएमएफ का नवीनतम अनुमान सऊदी तेल के लिए 86 डॉलर प्रति बैरल की ब्रेकईवन कीमत का सुझाव देता है। इसका मतलब यह होगा कि सऊदी अरब को उस मूल्य स्तर को हासिल करने के लिए, कम से कम जून 2024 तक बाजार हिस्सेदारी देना जारी रखना होगा।

पावन प्रसंग

सत्पुरुषों से हमारी संस्कृति गौरवान्वित है

हमारी समग्र संस्कृति पर उनका उपकार है। उपकारी जनों के उपकारों को याद करना, कृतज्ञता है। सत्पुरुषों का मंगल स्मरण करके मानवता के हित में कुछ विशिष्ट संपादित करने का उत्तम दिवस है। सत्पुरुषों से हमारी संस्कृति गौरवान्वित है। हम इन सभी का आस्था और आदर के साथ स्मरण कर रहे हैं। इन सत्पुरुषों के द्वारा निर्दिष्ट पथ गतिशील करके जीवन को भव्यता प्रदान करने का प्रयत्न करें। जीवन सद्गुणों से ही सुसज्जित बनता है। आज का आदमी काम से नहीं, दाम से मतलब रखता है।

लौंकाशाह श्रावक ही थे, पर उनका आत्मबल अत्यन्त प्रखर था। वे तत्वज्ञ थे। साथ ही उनके जीवन में व्रतों की तेजस्विता एवं निर्मलता थी। संयम-साधना के क्षेत्र में विकृतियों का पोषण उन्हें ठीक नहीं लगा। धर्म और संयम के क्षेत्र में जो आडम्बर खुलकर चल रहे थे, उन्हें दूर करने के लिए उन्होंने सिंहनाद किया। उनके सिंहनाद में सत्य का बल था, किसी भी व्यक्ति या परम्परा विशेष के प्रति दुर्भाव नहीं था।

व्यक्ति जब सत्य का आश्रय लेकर चलता है तो उसका प्रभाव होता ही और ऐसा ही हुआ। कहा जाता है कि लौंकाशाह के सिंहनाद से यतियों के द्वारा की जा रही विकृत स्थापनाओं पर विराम लगने लगा, पर लौंकाशाह को कदम-कदम विरोध का सामना भी करना पड़ा। लौंकाशाह की प्रेरणा से अनेकों गृहस्थों ने दीक्षा ग्रहण की। अनेकों यतियों ने अपनी विकृत मान्यताओं में परिष्कार किया। समय आने पर स्वयं लौंकाशाह ने अपने अनेकों साथियों के साथ धर्म और परम्परा की रक्षा के लिए संयम ग्रहण कर लिया। आध्यात्मिक जगत में तेजस्वी क्रान्ति आई। गुजरात , राजस्थान प्रान्त में लौंकाशाह ने सघन विचरण किया। कई दुर्मतिजन लौंकाशाह के प्रभाव को सहन नहीं कर पाए। फलस्वरूप अलवर में तपस्या के पारणक में विष मिश्रित आहार उन्हें दे दिया गया एवं वहीं पर लौंकाशाह दिवंगत हो गए। लौंकाशाह ने प्राणों का उत्सर्ग पसन्द किया। उनका स्पष्ट अभिमत था- मैं असत्य और पाखण्डों का पक्षधर एक क्षण के लिए भी नहीं बन सकता।

पूर्णिमा का दिन चातुर्मास की समाप्ति का दिवस है। आज का दिन अत्यन्त महिमापूर्ण दिन है। अनेक सत्पुरुषों का सम्बन्ध इस दिन के साथ जुड़ा है। आज के दिन अनेक महान आत्माओं ने जन्म लिया और हमारे आदर्श बनें। उनका पुण्य स्मरण हमारे मन में नई प्रेरणा और स्फूर्ति का संचार करता है। हमारी समग्र संस्कृति पर उनका उपकार है। उपकारी जनों के उपकारों को याद करना कृतज्ञता है। सत्पुरुषों का मंगल स्मरण करके मानवता के हित में कुछ विशिष्ट संपादित करने का उत्तम दिवस है। सत्पुरुषों से हमारी संस्कृति गौरवान्वित है। हम इन सभी का आस्था और आदर के साथ स्मरण कर रहे हैं। इन सत्पुरुषों के द्वारा निर्दिष्ट पथ गतिशील करके जीवन को भव्यता प्रदान करने का प्रयत्न करें। जीवन सद्गुणों से ही सुसज्जित बनता है।

लौंकाशाह जैसे महान साधकों हम कभी भी भुला नहीं सकते। जैन परम्परा, गौरवशाली परंपरा है। इस परम्परा की प्राचीनता एवं उपादेयता असंदिग्ध है। इस महान परंपरा को सत्पुरुषों ने गौरवान्वित किया है पर स्वयं इसमें सुई भर संशय नही है।

कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में डीपफेक एक बड़ी चुनौती

डीपफेक ऐसे वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं, जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके हेरफेर किया जाता है, ताकि यह प्रतीत हो सके कि कोई कुछ ऐसा कह रहा है या कर रहा है जो उन्होंने कभी नहीं किया। यह दूरगामी प्रभावों के साथ एक महत्वपूर्ण तकनीकी खतरे के रूप में उभरा है। कहते हैं इनफार्मेशन टेक्नालॉजी के इस युग में डेटा ही तेल सामान है, मतलब उसका महत्व बहुत ज्यादा है, और बिना डेटा के कोई भी काम होना बहुत कठिन हो गया है। जैसे-जैसे डेटा का उपयोग बढ़ रहा है, उसके शोधन के तरीके भी बढ़ रहे हैं, वहीं ऐसी टेक्नालॉजी भी आ गयी हैं जो आपके डेटा का इस्तेमाल कर कई प्रकार के हैरतअंगेज कार्य कर सकती है। ऐसी ही टेक्नालॉजी है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जिसने तकनीकी दुनिया को हमेशा के लिए बदल डाला है। गूगल बार्ड जैसे टूल्स आश्चर्जनक जानकारियों का खजाना बन गए हैं, जो रिसर्च, एजुकेशन, प्रोडक्टिविटी को अलग स्तर पर ले गए हैं, वहीं न्यूरल नेटवर्क, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग ने सेल्स, मार्केटिंग, सोशल मीडिया, और एंटरटेनमेंट जैसे क्षेत्रों को बदल डाला है।

भारतीय चिंतन और अध्यात्म का, विश्वदृष्टि का प्रचार करने के लिए भारत को अपने स्वयं के एआई एल्गोरिदम विकसित करने और प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। एआई पूर्वाग्रह का मुकाबला करने का शायद यही एकमात्र तरीका है। यदि भारत विरोधी ताकतें वास्तव में अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों को प्रचारित करने के लिए एआई का सक्रिय रूप से उपयोग कर रही हैं, तो हमें एआई का अपना संस्करण बनाने की जरूरत है जो भारत समर्थक हो। कई हित समूहों और हितधारकों द्वारा बढ़ती मध्यस्थता वाली दुनिया में, ज्ञान अब उदासीन नहीं रह सकता है। हमें एआई के निष्क्रिय उपभोक्ताओं और बड़ी तकनीकी कंपनियों की सफेदपोश कार्यबल के रूप में अपनी भूमिका से आगे बढ़ कर सोचना होगा, और लगातार विकसित हो रहे एआई विमर्श में सक्रिय खिलाड़ी बनना ही पड़ेगा।

डीपफेक हमारे डिजिटल समाज के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करते हैं, हालांकि वे नवाचार और सहयोग का अवसर भी पेश करते हैं। तकनीकी प्रगति, कानूनी ढांचे और सार्वजनिक जागरूकता के संयोजन से, हम एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम कर सकते हैं, जहां डीपफेक कम हानिकारक और अधिक जवाबदेह होंगे। निष्कर्षतः मुख्य रूप से एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है, जो इस उभरते खतरे के तकनीकी, कानूनी और नैतिक आयामों को संबोधित करता हो।

भारत में डीपफेक के पीड़ितों के लिए कानूनी उपाय देखे तो सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म कानूनी रूप से साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को संबोधित करने और 36 घंटों के भीतर डीपफेक सामग्री को हटाने के लिए बाध्य हैं। साइबर अपराध की शिकायत करने के लिए पीड़ित राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन (1930) में शिकायत दर्ज कर सकते हैं और साइबर वकील से सहायता ले सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 जालसाजी और झूठी सूचना के प्रसार सहित साइबर अपराध अपराधों से संबंधित है।

-डॉ सत्यवान सौरभ

जीएमसी की 3 छात्राओं को ट्राले ने मारी टक्कर, एक की मौत

2 गंभीर घायल, स्कूटी से ढाबे पर चाय पीने गईं थीं

मृतका गुंजन

भोपाल, देशबन्धु। गांधी नगर थाना इलाके में तेज रफ्तार ट्रक ट्राले ने स्कूटी में टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी पर सवार गांधी मेडिकल कालेज (जीएमसी) से एमबीबीएस कर रहीं तीन छात्राओं में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गईं।

गांधी नगर थाना पुलिस के मुताबिक 21 वर्षीय गुंजन पुत्री लोकेंद्र तरनकर मूलत: बैतूल जिले की रहने वाली थी। वह गांधी मेडिकल कालेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी और कालेज के छात्रावास में रहती थी। गुंजन बुधवार रात को अपनी दो सहेलियों छवि सिंह उर्फ बिट्टू और रितिका कठेरिया के साथ मुबारकपुर और ग्राम डोबरा के बीच स्थित रंगला पंजाब ढाबे में चाय पीने गई थी। रात करीब 12 बजे तीनों वहां से वासप छात्रावास लौट रही थीं। ढाबे से निकलकर तीनों जैसे ही मख्य मार्ग पर पहुंची, तभी सूखीसेवनिया की तरफ से मुबारकपुर की तरफ जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ट्राले ने उनकी स्कूटी को चपेट में ले लिया। इस हादसे में तीनों छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें एंबुलेंस से उपचार के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। यहां जांच करने के बाद चिकित्सकों ने गुंजन को मृत घोषित कर दिया। वहीं छवि और रितिका की हालत भी गंभीर है। उनका उपचार चल रहा है।

इधर इस घटना की जांच कर रहे गांधी नगर थाने के उपनिरीक्षक आरबी शर्मा ने बताया कि हादसे के बाद लोगों ने ट्राला चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। उसने बताया कि नींद का झोंका आ गया था, तभी हादसा हो गया। पुलिस ने चालक को गुरुवार दोपहर में अदालत में पेश किया गया। यहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

गुंजन के पिता एसबीआई में मुख्य प्रबंधक

जीएमसी के डीन डॉ. सलिल भार्गव ने बताया कि गुंजन, रितिका और छवि सिंह का एडमिशन 2021 में नीट यूजी काउंसलिंग से हुआ था। गुंजन के पिता लोकेंद्र तरनकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के भोपाल में मैदा मिल के समीप स्थित एलएचओ कार्यालय में मुख्य प्रबंधक हैं। गांधी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने के बाद से गुंजन कॉलेज के छात्रावास में ही रह रही थी, जबकि उसके पिता परिवार सहित अरेरा कॉलोनी ई-3 के पारस सिटी में रहते हैं। वहीं निशिता कठेरिया जबलपुर के आधारतल की छवि सिंह उर्फ बिट्टू राजस्थान के बांसवाड़ा की रहने वाली है।

छवि के पेट में भरे खून को निकालने लगाई नली

हमीदिया अस्पताल में छात्रा का इलाज कर रहे चिकित्सकों के मुताबिक निशिता का आपरेशन गुरुवार दोपहर में किया गया। उसके शरीर में कई फ्रैक्चर हुए हैं। वहीं, छवि उर्फ बिट्टू के पेट की स्पिलन रप्चर हुई है। इसके अलावा पसलियों में फ्रैक्चर हुआ है। पेट की स्पिलन फटने और पसलियों में फ्रैक्चर के कारण पेट में खून भर गया है। पेट और पसलियों के पीछे भरे खून को निकालने के लिए सीने में अलग से कृतिम नली लगाई गई है।

कालेज बस ने स्कूटर सवार अधेड़ को रौंदा, मौत

भोपाल, देशबन्धु। एमपी नगर के ज्योति टाकीज चौराहे पर बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार कालेज बस ने स्कूटर सवार अधेड़ को रौंद दिया। इस हादसे में अधेड़ गंभीर रूप से घायल हालत में उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। यहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक जयसिंह रघुवंशी उम्र 52 वर्ष इंद्रा नगर मंडीदीप जिला रायसेन के रहने वाले थे और बिजली के कामों की ठेकेदारी करते थे। वह बुधवार सुबह अपनी स्कूटर पर सवार होकर एमपी नगर जोन क्रमांक-2 से जोन क्रमांक एक तरफ जा रहे थे। इसी दौरान ज्योति टाकीज चौराहा पर सड़क पार करते समय बोर्ड आफिस की तरफ से आ रही पीले रंग की कालेज बस ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, इससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। पास ही पान की दुकान चलाने वाले अरविंद चौरसिया और अन्य लोगों ने उन्हें उठाया। इस बीच सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जयसिंह को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया। लेकिन उनकी, जहां हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हमीदिया अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। साथ ही घटना के बाद स्थानीय दुकानदार की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले बस चालक के खिलाफ हादसे का प्रकरण दर्ज किया था। उसमें घायल की मौत के बाद चालक पर धाराएं बढ़ा का आरोपी बस चालक की तलाश शुरु कर दी है।

आज वाहन रैली से शुरु होगा एड्स जागरूकता पखवाड़ा

एम्स में संवेदीकरण कार्यशाला होगी

भोपाल, देशबन्धु। ज़िला स्वास्थ्य समिति द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर दिसंबर को एआरटी सेंटर एम्स से एचआईवी, एड्स जागरूकता के लिए विशाल दोपहिया वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि विश्व एड्स दिवस के तारतम्य में 15 दिसंबर तक एड्स जागरूकता पखवाड़े में विभिन्न संस्थानों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े की शुरुआत वाहन रैली के साथ होगी । वाहन रैली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के एआरटी सेण्टर से प्रारंभ होगी। इस रैली को एम्स भोपाल के अध्यक्ष, निदेशक और ज़िले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

इसी क्रम में एक दिसंबर को दोपहर ढाई बजे एम्स चिकित्सालय में संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में एचआईवी के साथ जीवन यापन कर रहे लोगों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इन लोगों द्वारा कार्यशाला में अपने अनुभव साझा किए जाएंगे। इस अवसर पर चिकित्सकों, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ का एचआईवी अधिनियम के संबंध में उन्मुखीकरण भी किया जाएगा। कार्यशाला में एम्स एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

पुलिस वाहन पर पथराव, हवलदार पर किया हमला

भोपाल, देशबन्धु। शाहपुरा के इंद्रा नगर इलाके में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात दर्जन भर से ज्यादा युवकों ने उत्पात मचाया। वे यहां पर एक युवक के साथ मारपीट करने आए थे। तोडफ़ोड़ कर रहे युवकों को जब पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो युवकों ने पुलिस वाहन डायल 100 में तोड़फोड़ कर दी। इतना ही नहीं आरोपियों ने हबीबगंज थाने के एक प्रधान आरक्षक पर भी हमला कर दिया और उनके साथ जमकर मारपीट करने के बाद फरार हो गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस ने बलवा करने व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक वाजपेयी नगर के युवकों का झगड़ा इन्द्रा नगर बस्ती के युवकों से हो गया था। इस पर वाजपेयी नगर निवासी फैजल, नीलकंश व आकाश बुधवार-गुरुवार की रात करीब एक बजे अपने 10-12 साथियों को लेकर कुछ युवकों की तलाश कर उनके साथ मारपीट करने के इरादे से इन्द्रा नगर बस्ती पहुंचे थे। उनके पास लाठी-डंडे व अन्य हथियार भी थे। इन युवकों को इन्द्रा नगर में वे युवक नहीं मिले। इस बात से भड़के युवकों ने बस्ती में तोडफ़ोड़ करना शुरू कर दी। इस पर बस्ती के लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो हबीबगंज थाने का डायल 100 वाहन मौके पर पहुंचा। इस वाहन में हबीबगंज थाने के प्रधान आरक्षक महेन्द्र शर्मा व चालक मौजूद थे। पुलिस को देखने के बाद भी उत्पात कर तोडफ़ोड़ करना बंद नहीं किया बल्कि उल्टा पुलिस के वाहन पर भी पथराव करना शुरू कर दिया। इस पर प्रधान आरक्षक महेन्द्र शर्मा ने युवकों को रोकने की कोशिश की तो एक युवक ने धारदार हथियार से महेन्द्र पर ही हमला कर दिया। बस्ती और पुलिस पर हमला करने के बाद उत्पाती युवक मौके से भाग निकले। पुलिस ने महेन्द्र शर्मा की शिकायत पर फैजल, आकाश, नीलकंठ समेत 10-12 अन्य युवकों के खिलाफ बलवा व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। साथ तीन युवकों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि बाकी की तलाश की जा रही है।

मप्र में रुक-रुककर बारिश होने का सिलसिला जारी

सुबह कोहरे के कारण भोपाल में 50 मीटर रह गई थी दृश्यता

भोपाल, देशबन्धु। *वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर पांच मौसमी सक्रिय हैं। हवाओं का रुख भी लगातार दक्षिणी बना हुआ है। इसके साथ ही अरब सागर के साथ ही बंगाल की खाड़ी से भी लगातार नमी आ रही है। इस वजह से प्रदेश के अधिकतर जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। उधर निचले स्तर पर बादल बने रहने और वातावरण में बड़े पैमाने में नमी मौजूद रहने के कारण गुरुवार को पूरे प्रदेश में सुबह के समय घना कोहरा भी छाया रहा। इसी क्रम में राजधानी भोपाल में तो सुबह दृश्यता 50 मीटर रह गई थी। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी दो दिन तक बादल बने रहने और रुक-रुककर हल्की बारिश होने की संभावना है।*

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बना हुआ है। पाकिस्तान के मध्य में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। राजस्थान में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। उत्तर-मध्य महाराष्ट्र और उससे लगे अरब सागर पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर केरल तक एक द्रोणिका बनी हुई है। अलग-अलग स्थानों पर बने इन मौसमी सिस्टमों के असर से बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर से लगातार नमी आ रही है। इस वजह से राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अधिकतर जिलों में वर्षा हो रही है। इसी कड़ी में गुरुवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे अचानक आसमान पर बादल घिर गए और तेज बारिश शुरु हो गई। बारिश का यह सिलसिला करीब आधे घंटे तक चला। बारिश की गति का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुराने शहर के कई क्षेत्रों में नाले-नालियां उफन गए और इन में भरी गर्दगी सड़कों पर बहने लगी। वहीं कई निचले क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति बन गई।

उधर गुरुवार को सुबह से शाम तक गुना में 15, खजुराहो में 6.8, टीकमगढ़ में छह, नौगांव में पांच, भोपाल में पांच, उमरिया में चार, दमोह में तीन, पचमढ़ी में दो, बैतूल, सागर, सीधी और जबलपुर में एक, सतना में 0.2, इंदौर में 0.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके पूर्व गुरुवार सुबह तक खजुराहो में 17, उमरिया में 11.7, टीकमगढ़ में 11, रायसेन में 9.8, पचमढ़ी में 8.8, सीधी में 8.6, जबलपुर में 8.4, रीवा में 7.4, नौगांव में 6.8, सतना में 6.2, नर्मदापुरम में में 6.2, नरसिंहपुर में छह, भोपाल में 3.6, खंडवा में दो, दमोह में एक, बैतूल में 0.6, सागर में 0.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विज्ञानियों के अनुसार शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम और उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बैस हर मापदंड पर खरे.... समर्पित रहे। देश-प्रदेश और समाज के लिए जीना किसे कहते हैं यह उन्होंने कर दिखाया। श्री चौहान ने कहा कि श्री बैंस ने बिना तनाव, दबाव और प्रभाव में आए अपने दायित्वों का निर्वहन किया। वे अपनी बात तर्क के साथ रखते थे। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप, सीएम राइज स्कूल, आनंद विभाग, सिटीजन चार्टर का क्रियान्वयन उनकी प्रमुख उपलब्धियां रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपनी सक्रियता बनाए रखेंगे और प्रदेश हित में अपने अनुभव का योगदान देते रहेंगे, ऐसी आशा है। उनके जीवन का उत्तरार्ध उपयोगी, सार्थक, सफल हो, यही कामना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री बैंस के सुखद और स्वस्थ जीवन की कामना की।

श्री चौहान ने कहा कि ग्लोबल स्किल पार्क, फ्लोटिंग सोलर प्लांट, मेट्रो रेल का भोपाल और इंदौर में ट्रायल रन, जनजातीय क्षेत्रों में पेसा एक्ट का क्रियान्वयन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्य विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके अनुभव का लाभ प्रदेश को आगे भी मिलता रहेगा, ऐसी कामना है। उन्होंने श्री बैंस के सुखद और स्वस्थ जीवन की कामना की।

इसके पहले मुख्यमंत्री श्री सिंह की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मंत्रि-परिषद ने मुख्य सचिव श्री बैंस को विदाई दी तथा मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रि-परिषद की ओर से मुख्य सचिव श्री बैंस को स्मृति चिन्ह भेंट किया। नवागत प्रभारी मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा उपस्थित रहीं।

शुरुआत में श्री चौहान का अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विनोद कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। श्री कुमार ने मुख्य सचिव श्री बैंस तथा नवागत प्रभारी मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा का भी पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। उन्होंने मुख्य सचिव श्री बैंस को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। विदाई समारोह में समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गुजरात में जहरीला सिरप पीने.... के रक्त के नमूने की रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि सिरप बेचने से पहले उसमें मिथाइल अल्कोहल मिलाया गया था। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिन में सिरप पीने से पांच लोगों की मौत हो चुकी है और दो अन्य का अभी भी इलाज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने 50 हजार से.... मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में योगदान करेंगे। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर अपने संबोधन में नवनियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि देश में लाखों युवाओं को भारत सरकार द्वारा नौकरी देने का अभियान लगातार जारी है। आज 50 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। ये नियुक्ति पत्र उनके परिश्रम और प्रतिभा का नतीजा है।

कांग्रेस सभी 5 राज्यों में.... की 40 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 7 नवंबर को हुआ था, जबकि 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए मतदान 7 और 17 नवंबर को हुआ था। मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों के लिए मतदान 17 नवंबर और 200 सदस्यीय राजस्थान विधानसभा के लिए मतदान 25 नवंबर को हुआ था। वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। कांग्रेस के लिए दांव ऊंचे हैं क्योंकि वह छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्तारूढ़ पार्टी है और दोनों राज्यों में लगातार दूसरे कार्यकाल पर नजर गड़ाए हुए है। मध्य प्रदेश में पार्टी सत्ता में लौटने की उम्मीद कर रही है, जहां 2018 में जीतने के बावजूद मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया और 22 विधायकों के पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद उसने बहुमत खो दिया। तेलंगाना में कांग्रेस सत्तारूढ़ बीआरएस को हराने की कोशिश कर रही है, जो राज्य में लगातार तीसरे कार्यकाल पर नजर गड़ाए हुए है।

मप्र-राजस्थान में भाजपा, तेलंगाना.... 'न्यूज 24-टुडेज चाणक्या' के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की एक बार फिर से पूर्ण बहुमत की सरकार बन सकती है। इस सर्वेक्षण के आंकड़े के अनुसार, कांग्रेस 57 सीटें हासिल कर सकती हैं तो भाजपा को 33 सीटें मिल सकती हैं।

'इंडिया टुडे-एक्सिस मॉय इंडिया' के अनुसार, छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 42 प्रतिशत मतों के साथ 40 से 50 सीटें मिल सकती हैं तो भाजपा को 41 प्रतिशत वोट के साथ 36 से 46 सीटें हासिल हो सकती हैं।

'एबीपी-सी वोटर' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 41 से 53 सीटें हासिल हो सकती हैं तो भाजपा को 36 से 48 सीटें मिल सकती हैं।

'जन की बात' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 42 से 53 सीटें हासिल हो सकती हैं। ज्यादातर सर्वेक्षणों में तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बढ़त दिखाई गई है।

'इंडिया टीवी-सीएनएक्स' के एग्जिट पोल के अनुसार 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस 63-79 सीट हासिल करके सरकार बना सकती है। भारत राष्ट्र समति को 31-47, एआईएमआईएम को 5-7 और भाजपा को 2-4 सीटें मिल सकती हैं।

टीवी9-पोलस्ट्रेट' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि कांग्रेस को 49-59 सीटें और बीआरएस को 48 से 58 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा को पांच से 10 तो एआईएमआईएम को 6 से आठ सीटें मिल सकती हैं।

'रिपब्लिक टीवी-मैट्रिज' के अनुसार, तेलंगाना में कांग्रेस 58 से 68 सीटें हासिल करके सरकार बना सकती है तो बीआरएस को 46 से 56 सीटें हासिल हो सकती हैं। भाजपा को चार से नौ और एआईएमआईएम को छह से आठ सीटें मिल सकती हैं।

'इंडिया टीवी-सीएनएक्स' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को 40 सदस्यीय विधानसभा में 14 से 18 सीटें हासिल हो सकती हैं और वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर सकती है।

जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) को 12-16 सीटें हासिल हो सकती हैं तो कांग्रेस को आठ से 10 और भाजपा को अधिकतम दो सीटें मिल सकती हैं।

देश में अब हाइड्रोजन ट्रेन.... वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने भी फरवरी 2023 के अपने बजट भाषण में विरासत के लिए हाइड्रोजन योजना की घोषणा थी। जो पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील चुनिंदा विरासत और पहाड़ी मार्गों पर हाइड्रोजन से चलने वाली रेलगाड़ियों को संचालित करने की महात्वाकांक्षी योजना है। बतादें कि अभी सिर्फ जर्मनी ही है जहां व्यावसायिक रूप से हाइड्रोजन से चलने रेलगाड़ी का संचालन किया जा रहा है। जबकि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान में इसके लिए परीक्षण चल रहा है।

करीब सवा 2 लाख करोड़..... हल्के लड़ाकू विमान एम के 1ए की जरूर के आधार पर खरीद की भी मंजूरी दी है। इसके अलावा एचएएल सुखोई - 30 एम के आई लड़ाकू विमानों को उन्नत बनाने का कार्य भी करेगा।

परिषद ने नौसेना के लिए युद्धपोत रोधी मिसाइलों की खरीद के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। सेना के लिए टी 90 टैंकों के लिए ऑटोमेटिक टारगेट ट्रेकर और डिजिटल बसाल्टिक कंप्यूटर की खरीद को भी जरूरत के आधार पर मंजूरी दी गयी है। इससे टी 90 टैंकों की मारक क्षमता बढाने में मदद मिलेगी।

जिंदा जलाए गए वृद्ध ने तोड़ा दम, भाई सहित 3 पर हत्या का मामला दर्ज

भोपाल, देशबन्धु। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता में सोमवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसे वृद्ध की गुरुवार को हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के छोटे भाई, भतीजे और बहू के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। मौत के बाद आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा बढ़ा दी गई है।

पुलिस के अनुसार हरिकिशन अहिरवार 60 कोलार रोड पर रहता था और निजी काम करता था। उसका छोटा भाई मोहनदास अहिरवार कोकता में मरघट के पास बिलखिरिया में रहता है और मजदूरी करता है। दोनों भाइयों के बीच पैसों को लेकर विवाद चल रहा है। सोमवार शाम करीब 7 बजे हरिकिशन छोटे भाई के पास पहुंचा और रुपयों की मांग की। इसको लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद हरिकिशन संदिग्ध हालातों में आग से झुलस गया। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तहसीलदार को दिए मृत्युपूर्व बयान में हरिकिशन ने छोटे भाई मोहनदास, बहू शीलाबाई और भतीजे आजाद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की बात कही थी। पुलिस ने मोहनदास, शीलाबाई और आजाद पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। अब सभी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपित मोहनदास का कहना है कि उसे उधारी के पांच हजार देने थे, लेकिन हरिकिशन 50 हजार रुपये की मांग रहा था। इसको लेकर उनके बीच विवाद चल रहा था।

पद्म भूषण डॉ. सुधा मूर्ति ने किया जनजातीय संग्रहालय का अवलोकन

भोपाल, देशबन्धु। पद्म भूषण डॉ. सुधा मूर्ति ने मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय का अवलोकनकिया। उन्होंने संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया। संग्रहालय की दीर्घाओं एवं उनमें जनजातीय समुदाय की वाचिक और कला परम्परा के बेहतर प्रदर्शन तथा कलात्मक संयोजन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संग्रहालय की दीर्घाओं में प्रदर्शित प्रादर्श बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत किये गये हैं, जिनका संक्षिप्त विवरण मिलता है। यह जनजातीयों को दिखाने और संरक्षित करने वाला एक अनोखा संस्थान है।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर दिए निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने मतगणना स्थल पुरानी जेल पहुँचकर विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत आगामी 3 दिसंबर को जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही अंतिम तैयारियों का अवलोकन किया । कलेक्टर श्री सिंह ने विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने आरओ को मतगणना के संबंध में विभिन्न निर्देश भी दिये।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अवधेश कुमार गोस्वामी,नोडल मतगणना संदीप केरकेट्टा, एडीएम प्रकाश सिंह, डिप्टी डीईओ रविशंकर राय सहित सभी आरओ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भाजीबीनि ने किया जीवन उत्सव योजना का शुभारंभ

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा एक नई योजना जीवन उत्सव का शुभारंभ किया गया। योजना के शुभारंभ अवसर पर निगम क्षेत्रीय प्रबन्धक बाघराय माझी ने योजना के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जीवन उत्सव एक व्यक्तिगत आजीवन, सीमित प्रीमियम अवधि की योजना है जिसमे गारंटीकृत अतिरिक्त लाभ भी शामिल है। यह योजना 90 दिन से 65 वर्ष की आयु तक के पात्र व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है। प्रीमियम भुगतान की अवधि 5 से 16 वर्ष तक की है। न्यूनतम बीमित राशि 5 लाख और अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। गारंटीकृत राशि रु. 40 प्रति हज़ार बीमित राशि है।वहीं योजना के कुछ मुख्य आकर्षण में 18 वर्ष की आयु से, प्रति वर्ष बीमित राशि का 10 फीसदी पालिसीधारक को भुगतान किया जाएगा। पालिसीधारक के पास यह विकल्प भी है की इस राशि को 5.5 फीसदी के वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज पर पा सकता है। इस अवसर पर धर्म पाल, प्रादेशिक प्रबन्धक (विपणन), सुमित कुमार दासगुप्ता प्रादेशिक प्रबन्धक (नि. स.), अरुण राज़दान, प्रप (मु. जी. बी. स.), दावा राम प्र. प. (बैंक व वै. मा.) और महेश चन्द्र वर्मा प्र. प. (बैंक व वै. मा.) भी उपस्थित थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार परसोरिया, तहसील सागर जिला सागर

रा.प्र.क. 1344 अ/6 वर्ष 2023-24
मौजा पिपरिया काराकाट मकान नं. 86

देवेश नायक पिता सुनील नायक
निवासी रजाखेडी
तहसील व जिला सागर

....................आवेदक

विरूद्ध

म.प्र. शासन

....................अनावेदक

//इश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवेश नायक पिता सुनील नायक निवासी दूरसंचार नगर रजाखेडी द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि मौजा पिपरिया करकट पटवारी हल्का नम्बर 86 में स्थित भूमि खसरा नंबर 414/1, 423, 432 रकवा 0.60, 0.40 0.420 कुल रकवा 1.42 हे. भूमि रजिस्टर्ड बसीयतनामा दिनांक 21.12.2018 के माध्यम से बसीयतकर्ता श्री चन्द्रप्रकाश नायक द्वारा आवेदक के पक्ष में की है उक्त बसीयत अन्य भूमिया भी आवेदक को बसीयत के माध्यम से की है रजिस्टर्ड बसीयतनामा के आधार पर नामान्तरण किये जाने बाबत लेख किया है।

उक्त भूमि का उपरोक्तानुसार नामान्तरण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति अथवा उजर हो तो वह पेशी दिनांक 01/12/2023 को इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकता है बाद गुजरने म्याद के किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा उजर पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/11/ 2023 का मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

पेशी दिनांक 01/12/2023
जारी दिनांक 28/11/2023

नायब तहसीलदार परसोरिया

खरगापुर नगर परिषद के जिम्मेदार अफसरों की मनमानी

ऑडिटोरियम बाउंड्रीवाल की चुनाई एवं कॉलम भराव में धांधली

टीकमगढ़ , देशबन्धु। नगर परिषद खरगापुर में कराए जा रहे निर्माण कार्यों में गड़बड़ियों को लेकर जहां नाराजगी जाहिर की जा रही है, वहीं आडिटोरियम बाउंड्रीवाल की चुनाई एवं कालम भराव में घटिया डस्ट का उपयोग किए जाने को लेकर भी सांठगांठ के आरोप लगाए जा रहे हैं। इस संबन्ध में जांच कर मनमानी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। बताया गया है कि खरगापुर में अब तक कराए गए सीसी सड़क, नाली निर्माण, भवनों के निर्माण में धांधली कर शासन की राशि को बंदरबांट किया गया है। इसी प्रकार जतारा मार्ग पर 54 लाख की लागत से कराए जाने वाले चौड़ीकरण कार्य को लेकर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। यहां चंद दिनों में ही सड़क किनारे सीसी उखड़ने लगी है। कहा जा रहा है कि निर्माण कार्य में प्रभारी सीएमओ,

क्रेशर से निकलने वाली पत्थर डस्ट का किया गया इस्तेमाल

उपयंत्री की बढ़ती कमीशनखोरी के चलते आंख बंद कर घटिया निर्माण होने के बाद भी मौन स्वीकृत देकर ठेकेदार को उपकृत किया जाता रहा है। कहा जा रहा है कि नवीन तहसील परिसर खरगापुर के वार्ड क्रमांक-1 पलेरा मार्ग पर 1 करोड़ 64 लाख की लागत से स्वीकृत ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य तपस्या कंस्ट्रक्शन कंपनी टैंडर स्वीकृत हुआ। लेकिन तपस्या कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार द्वारा घटियायुक्त सामग्री उपयोग करने की पार्षद प्रतिनिधियों ने शिकायत की गई, जिसको 8 जुलाई अंक में खबर प्रकाशित हुई जिसमे तत्कालीन सीएमओ ने जांच के नाम पर मामले को रफा दफा कर दिया है। हाल ही में नगर परिषद के जिम्मेदार उपयंत्री वीरेंद्र कुमार पटेल बढ़ती कमीशनखोरी की वजह से तपस्या कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार द्वारा ऑडिटोरियम के स्टीमेट के अनुसार रेत की जगह क्रेशर से निकलने वाली डस्ट से कालम का भराव किया जा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

इनका कहना

नगर परिषद खरगापुर में ऑडिटोरियम बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य में घटिया साम्रगी का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो कार्यपालन यंत्री सागर से जांच उपरांत ही सीएमओ, उपयंत्री, ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

हिमांशु भट्ट, संयुक्त संचालक
नगरीय प्रशासन सागर

कांग्रेस नेता को भारी पड़ा भीतरघातः यादव को 6 साल के लिए किया निष्कासित, चुनाव से पहले बनाया था प्रदेश महासचिव

टीकमगढ़, देशबन्धु। एक समय जहां जिले की कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे थे, वहीं आज बेआबरू होकर कांग्रेस से बाहर हो गए हैं। संगठन विरोधी गतिविधियों को लेकर चर्चाओं में आए पूर्व जिलाध्यक्ष महेश यादव को कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। उनके निष्कासन को कांग्रेस पदाधिकारियों एव कार्यकर्ताओं ने जायज ठहराते हुए कांग्रेस हाईकमान के फैसले का स्वागत किया है। बताया गया है कि विधानसभा चुनाव में भितरघात के चलते कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश महासचिव व पूर्व जिला अध्यक्ष महेश यादव को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस के प्रदेश संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने इस संबंध में पत्र जारी किया है। जिसमें अंबिका प्रसाद उर्फ महेश यादव पर पार्टी विरोधी काम करने की आरोप लगाए गए हैं। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष महेश यादव पंचायत चुनाव से भाजपा खेमे में नजर आ रहे थे। उन्होंने अपनी पत्नी को जनपद सदस्य का चुनाव लड़ाया और भाजपा समर्थित जनपद सदस्यों के समर्थन से पत्नी को जनपद पंचायत जतारा का अध्यक्ष बनाने में सफल रहे। इस बीच कांग्रेस ने महेश यादव को जिला अध्यक्ष के पद से हटाकर नवीन साहू को जिला अध्यक्ष घोषित किया। इसके बाद से लगातार महेश यादव कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बगावती तेवर दिखा रहे थे। हालांकि पार्टी ने उन्हें मनाने के लिए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी थी। चुनाव के दौरान वे कांग्रेस प्रत्याशियों के जनसंपर्क में पार्टी के पक्ष में वोट मांगते नजर आए, लेकिन अंदरूनी तौर पर कांग्रेस प्रत्याशियों के खिलाफभितरघात किया। जिसके चलते अब कांग्रेस पार्टी के संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने उन्हें 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है।

पर्यवेक्षक की अनुशंसा पर लिया फैसला

कांग्रेस के प्रदेश संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने पत्र में लिखा है कि एआईसीसी के पर्यवेक्षक और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी ने तथ्यात्मक रूप से महेश यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें महेश यादव पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होकर कांग्रेस प्रत्याशी के विरोध में काम करने के आरोप लगाए गए हैं। पार्टी विरोधी काम करने के चलते उन्हें 6 साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित किया है।

संगठित रहना है तो अनुरोध करना सीख जाइएः संत विमर्श सागर

टीकमगढ़, देशबन्धु। भावी सिद्धों के सानिध्य में धर्मनगरी टीकमगढ़ में हो रही है त्रिकालवर्ती अनन्तानंत सिद्ध भगवंतों की महा आराधना। श्री 1008 सिद्धचक्र महा मण्डल विधान के अवसर पर बढ़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्मलाभ ले रहे हैं। गुरुवार को प्रातः आचार्य श्री विमर्श सागर ने धर्म सभा में उपदेश दिए। उन्होंने प्रवचन में कहा दृधन्य हैं वे जीव, जिन्हें संसार से प्रीति नहीं है। जिन्हें मात्र परमात्मा से प्रीति है। आप जिस परिवार में रहते हैं, वह परिवार यदि आपके धर्म परिपालन में सहयोगी है, तो अपना सातिशय पुण्य समझना। अक्सर देखा जाता है कि किसी परिवार में सुख-शान्ति से सभी का जीवन चल रहा था, आपके परिवार में पुत्र का विवाह हुआ, बहु घर में आई और कुछ ही दिनों में परिवार की शान्ति छिन्न-भिन्न होने लगी। बन्धुओ, भाई-भाई अलग-अलग रहकर भी यदि एक साथ वात्सल्य, प्रेम पूर्वक रहते हैं, तो ध्यान रखना, अपनी समाज एक संगठित समाज कहलावेगी। कलिकाल में यदि कहीं शक्ति है तो वह एक मात्र संगठन में ही शक्ति है। यदि आपको समाज में, परिवार में प्रेम को वृद्धिंगत करना है तो आप अनुरोध करना प्रारंभ कर दीजिए। आप अपने अनुरोध को अपने व्यवहार में लाते जाइये, आप देखेंगे आपके जीवन से विरोध स्वयमेव हटते चले जायेंगे। किन्तु जहाँ आपने अपने हाथ संकुचित किए, यदि आप कहने लगें कि मैं कैसे अनुरोध करूँ, मैं किसी के सामने हाथ नहीं जोड़ सकता। ध्यान रखना, यह आपके भीतर का अभिमान बोल रहा है। अभिमान में ऐसा बोलकर आपने अपने परिवार को तोड़ दिया। आपने समाज की एकता को भंग कर दिया। अनुरोध में, विनय में बहुत शक्ति है। आप एक बार अनुरोध कर लीजिए, आज नहीं तो कल सामने वाला भी आपके अनुरोध को स्वीकार अवश्य करेगा। गाय-बछड़ा यदि दूध पिलाते हुए मिल जाए तो लौकिक मंगल कहलाता है। जहाँ एक संत दूसरे संत से मिलन करे, तो परमार्थ मंगल है। अरे, एक श्रावक यदि एक श्रावक से मिलन करे, परस्पर वात्सल्य व्यवहार निभाते मिल जायें, तो समझ लेना मुझे मंगल का दर्शन हो गया है।

मतगणना कार्य के गठित दलों का हुआ द्वितीय प्रशिक्षण

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा के निर्देशानुसार में विधानसभा निर्वाचन-2023 की ईव्हीएम एवं पोस्टल वेलेट की मतगणना कार्य हेतु गठित दलों का द्वितीय प्रशिक्षण शासकीय कृषि महाविद्यालय टीकमगढ़ में सम्पन्न हुआ। इस दौरान ईव्हीएम की मतगणना हेतु नियुक्त मतगणना पर्यवेक्षक/मतगणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर एवं पोस्ट वेलेट की मतगणना हेतु नियुक्त मतगणना पर्यवेक्षक/मतगणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ आजाद अहमद मंसूरी डॉ हरिमोहन राय द्वारा दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतगणना के प्रमुख बिंदुओं पर स्वयं निर्देश दिये गये। प्रशिक्षण में तीनों विधानसभाओं के रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटेनिंग ऑफिसर, सहायक संचालक अविनाष पाठक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण की सम्पूर्ण व्यवस्था सहायक नोडल अधिकारी जिला परियोजना समन्वयक पीआर त्रिपाठी, सहायक परियोजना समन्वयक शैलेष श्रीवास्तव द्वारा करवाई गई।

सामाजिक न्याय-अधिकारिता मंत्रालय और रामचंद्र मिशन हार्ट फुलनेस के बीच समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

टीकमगढ़ से हुए नितिन बबेले और विवेक श्रीवास्तव शामिल

टीकमगढ़, देशबन्धु। नशा मुक्ति भारत अभियान को कामयाब बनाने और लोगों को नशा मुक्ति के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। अब इस तरह के आयोजनों के लिए बीते रोज समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह हस्ताक्षर मंत्रालय एवं श्रीराम चंद्र मिशन हार्ट फुलनेश के बीच हुआ। बताया गया है कि बीते रोज 28 नवम्बर 2023 को राजधानी दिल्ली में सामाजिक न्याय मंत्रालय में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय एवं श्री रामचंद्र मिशन हार्ट फुलने के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। जिसमें रामचंद्र मिशन के वैश्विक गुरु पूज्य श्रद्धेय दाजी जी वर्चुअली एवं डॉ वीरेंद्र कुमार खटीक कैबिनेट मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय राज्य मंत्री अठावले जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अब पूरे देश में सामाजिक न्याय विभाग के साथ में रामचंद मिशन द्वारा हार्ट फुलनेस ध्यान के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे एवं नशा मुक्ति से संबंधित अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर वीरेंद्र खटीक कैबिनेट मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिए गए व्याख्यान में दाजी साहब को टीकमगढ़ केंद्र की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। यह टीकमगढ़ सेंटर के लिए बहुत ही गौरव का क्षण था, जिससे सभी टीकमगढ़ वासी अभ्यासियों का हृदय बहुत ही हर्षित हो गया एवं उनके द्वारा सपरिवार कान्हा शांति वन में कम से कम पांच दिवस रुकने के लिए पूज्य दाजी से आग्रह किया। दाजी जी साहब ने उनका वेलकम किया कि आप कान्हा शांतिवन आइये, आपका बहुत-बहुत स्वागत है। कार्यक्रम में पूरे भारतवर्ष से पधारे रीजनल फैसिलिटेटर, मध्य प्रदेश से भाई का गजेन्द्र गौतम, नील केलकर एवं टीकमगढ़ जिले से नितिन कुमार बबेले हार्टफुलनेस केन्द्र समन्वयक टीकमगढ़ एवं अभ्यासी भाई विवेक श्रीवास्तव इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मावठा पड़ने से किसानों के खिले चेहरे, फसलों में नहीं देना पड़ेगा पानी

टीकमगढ़, देशबन्धु। मौसम के बारे में यहां के मौसम विशेषज्ञों ने जो भविष्यवाणी की थी, साथ ही किसानों को जो सलाह दी थी, वह सही साबित हुई है। आज शहर सहित आसपास के इलाकों में बारिश होने के साथ ही ठंडी हवाएं चल रही हैं। बारिश के कारण उन किसानों को अब सिंचाई नहीं करना पड़ेगी, जिन्होंने अधिकारियों के कहने पर इंतजार कर लिया है। टीकमगढ़ जिले में मौसम में आए बदलाव से बुधवार देर रात से रुक-रुक कर बारिश का दौर शुरू हो गया है। आज सुबह से रिमझिम बारिश हो रही है। साथ ही आसमान में बादलों के साथ चारों ओर धुंध छाई है। ठंड के सीजन का पहला मावठा पड़ने से किसानों को फायदा होने की उम्मीद है। दरअसल, कृषि कॉलेज के मौसम परामर्श केंद्र ने एक दिन पहले ही आगामी तीन दिनों तक आसमान में 100 प्रतिशत बादल छाए रहने और बारिश की संभावना जाहिर की थी। बुधवार को दिनभर धूप निकली रही, लेकिन शाम 7 बजे के बाद अचानक तेज हवाओं का दौर शुरू हो गया। रात 8:30 बजे हल्की बूंदाबांदी हुई। इसके बाद देर रात 12 बजे करीब 20 मिनट तक तेज बारिश होती रही। गुरुवार को सुबह 6 बजे से एक बार फिर बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया है। यह बूंदाबांदी देर रात तक बनी हुई है। इसके साथ ही शहर में ठंडी हवाओं ने भी डेरा डाल रखा है। फसलों की बोवनी कर चुके किसानों के लिए पानी फायदेमंद बताया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिक योगरंजन ने बताया कि मावठा गिरने से फसलों को फायदा होगा। किसानों को फसलों की सिंचाई में एक पानी कम लगेगा। 1 और 2 दिसंबर को भी आसमान में 100 प्रतिशत बादलों के साथ बारिश की संभावना है।

श्रीमद भागवत कथाः गोवर्धन पर्वत की महिमा सुनाई, 56 भोग लगाया

भगवान कन्हा का स्वरूप हैं भगवान गोवर्धन, परिक्रमा लगाने से होती है मनोकामना पूरीः महंत राघवदास

टीकमगढ़, देशबन्धु। शहर के सुभाष पुरम कॉलोनी स्थित मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। अयोध्या धाम के महंत राघवदास महाराज ने बुधवार रात कथा में श्री कृष्ण जन्म के साथ गोवर्धन पूजा का रोचक प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि भगवान कन्हैया का ही स्वरूप हैं भगवान गोबर्धन। उनकी पूजा और परिक्रमा का पुण्य व्यक्ति को मोक्ष प्रदान करता है। उनके दर्शन मात्र से मनुष्य की मनोकामना पूरी होती है। इस मौके पर गोवर्धन महाराज को 56 भोग अर्पित किया। महाराज ने भगवान की बाल लीलाएं सुनाते हुए कहा कि 7 वर्ष की आयु में श्री कृष्ण ने इंद्र का मान मर्दन किया। उन्होंने बृज के लोगों से गिर्राज जी की पूजा करने की बात कही। सभी लोगों ने तरह तरह का प्रसाद बनाकर गोवर्धन की पूजा की। नारद जी ने जब इस बारे में इंद्र को बताया तो उन्होंने नाराज होकर मूसलाधार बारिश शुरू कर दी। बृज के लोगों की रक्षा के लिए श्री कृष्ण ने पर्वत को अपनी छोटी उंगली से उठा लिया और 7 दिनों तक पर्वत को उंगली पर उठाकर रखा। जब इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ तो उन्होंने श्री कृष्ण से क्षमा मांगी। इसके बाद बृज के लोगों ने श्री कृष्ण और गिर्राज जी को 56 भोग लगाया। रात 8.30 बजे कथा के समापन के दौरान बारिश होने लगी।

पूजा के साथ पुरुषार्थ जरूरी

राघव दास महाराज ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को भगवान की पूजा के साथ पुरुषार्थ करना चाहिए। जो व्यक्ति अपने जीवन में भगवान के भजन के साथ पुरुषार्थ करते हैंए वे कर्म पथ पर निरंतर आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान भी पुरुषार्थ करने वालों की मदद करते हैं।

1 दिसंबर से शुरू होगा टीकमगढ़ रंग महोत्सवः

कवि सम्मेलन सहित तीन दिन होगा प्रसिद्ध नाटकों का मंचन, भेड़िए नाटक से होगी शुरुआत

टीकमगढ़, देशबन्धु। लाला हरदौल, दास्ताने दानापुर सहित अनेक नाटकों से सारे देश में टीकमगढ़ सहित समूचे बुंदेलखंड का नाम रोशन करने वाले संजय श्रीवास्तव आज किसी परिचय के मोहताज नहीं है। उनके संयोजन में एक बार फिर टीकमगढ़ में तीन दिवसीय रंग महोत्सव आयोजित किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। बताया गया है कि शहर में 1 दिसंबर से एक बार फिर तीन दिवसीय टीकमगढ़ रंग महोत्सव शुरू होगा। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और पाहुना लोक जन समिति की ओर से आयोजित नाट्य समारोह शहर के शहनाई गार्डन में आयोजित किया है। इस दौरान एक, दो और तीन दिसंबर को ख्याति प्राप्त नाटकों का मंचन होगा। एनएसडी कलाकार संजय श्रीवास्तव ने बताया कि टीकमगढ़ में 1 दिसंबर से छठवें रंग महोत्सव का आयोजन होगा। पहले दिन सुमन कुमार के लिखे नाटक भेड़िए का मंचन किया जाएगा। नाटक में थिएटर कलाकार संजय श्रीवास्तव की एकल प्रस्तुति होगी। 2 दिसंबर को निर्देशक सादात भारती के नाटक गांधी ने कहा था का मंचन होगा। इसमें संप्रेष्णा नाटक मंच कटनी के कलाकार नाटक की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद 3 दिसंबर को संदीप श्रीवास्तव के निर्देशन में तैयार दस्ताने दानापुर नाटक का मंचन होगा। इसमें टीकमगढ़ के पाहूना लोक जन समिति के कलाकार नाटक की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि तीनों नाटकों का मंचन शहर के शहनाई गार्डन में शाम 6 बजे से शुरू होगा।

पहले दिन होगा कवि सम्मेलन

पाहुना लोकजन समिति के डायरेक्टर संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि समारोह के पहले दिन 1 दिसंबर को कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। शाम 6 बजे से आयोजित कवि सम्मेलन में जिले के ख्याति प्राप्त कवि कविताओं की प्रस्तुति देंगे। कवि सम्मेलन के बाद भेड़िए नाटक का मंचन होगा। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता बुंदेलखंड के जानेमाने कवि देवदत्त द्विवेदी करेंगे। जिसमें जयहिंद सिंह दाऊ, गुलाब सिंह भाऊ, सत्यनारायण तिवारी, अखलाक सागरी, प्रदीप खरे मंजुल, मीनू गुप्ता, राजीव नामदेव, राम गोपाल रैकवार सहित अनेक कवि शामिल होंगे।

5 डंपर, 5 पोकलेन मशीनें की जप्त

प्रशासन की टीम ने अवैध रेत खदानों पर मारा छापा

पन्ना, देशबन्धु। विगत एक वर्ष से पन्ना जिले की अजयगढ तहसील अन्तर्गत केन नदी के किनारे विभिन्न स्थानो पर खनिज अधिकारी की मिली भगत से खनिज माफियाओं द्वारा अवैध उत्खनन तथा परिवहन लगातार किया जा रहा है। इस मामले में खनिज अधिकारी तथा स्थानीय रेत कारोबारियो का गठबंधन चल रहा था तथा लगातार रेत की निकासी की जा रही थी। उक्त मामले को लेकर मीडिया द्वारा लगातार प्रकाशित किया गया तथा जिला प्रशासन के अधिकारियो को अवगत कराया गया। लेकिन यह कार्य बदस्तुर जारी रहा। पन्ना जिले की मीडिया द्वारा फिर से मामले को उठाया गया, जिसको लेकर कलेक्टर के निर्देश पर खनिज अधिकारी तथा अजयगढ अनुविभाग के राजस्व एवं पुलिस अधिकारीयो की संयुक्त टीम ने भीना, चांदीपाठी खदान पर छापामार कार्यवाही की गई। जिसमे मौके पर केन नदी के बीचो बीच पन्ना जिले की तरफ से रास्ता बनाकर रेत का खनन करते हुए 5 पोकलेन मशीन 5 डंपर और एक वोट पंप मशीन मिली। केन नदी में पानी भरा पाया गया जिसमें पानी में से रेत निकाली जा रही थी। पोकलेन मशीन नदी की बीच धार में चलते पाई गई। राजस्व विभाग द्वारा खनिज विभाग और पुलिस विभाग के अमले की उपस्थिति में पन्ना जिले की ओर नदी में ग्रेवल से बनाया गया रास्ता तुड़वाया गया।

मौके पर छतरपुर जिले के रेत ठेकेदार के कर्मचारी और प्रतिनिधि ने मशीने छतरपुर जिले की सीमा में होना बताया तथा सीमा विवाद भी बताया। मौके पर छतरपुर जिले के रेत ठेकेदार प्रतिनिधि कर्मचारी भोला सिंह निवासी भीना तहसील अजयगढ़ की सुपुर्दगी में दिया गया। ज्ञात हो कि भोला सिंह जो स्वंय अवैध उत्खनन करा रहा थाए प्रशासन ने उसी की सुपुर्दगी मे जप्त किये गये वाहन दिये गये है, जिस पर भी प्रश्न चिन्ह खडा हो रहा है। क्योकि चोरी करने वाले को ही माल सौंप दिया गया है। ज्ञात हो कि रेत ठेकेदार रश्मित मल्होत्रा छतरपुर जिले मे रेत की खदाने स्वीकृत कराये हुए है, उसी की आड मे उसके द्वारा केन नदी की धारा रोककर नहरा ग्राम के पास नदी मे रास्ता बनाकर एक वर्ष से पन्ना जिले में भी लगातार अवैध उत्खनन कराया जा रहा है।

पन्ना जिले की अजयगढ तहसील में 27 स्थानो पर रेत का अवैध उत्खनन लगातार कराया जा रहा है। बीरा, फरस्वाहा, जिगनी, चन्दौरा, रामनई, बरोली, चांदीपाठ सहित अन्य स्थानो पर अवैध खदाने चलाई जा रही है। बताया जाता है कि रश्मित मल्होत्रा की कंपनी द्वारा पन्ना जिले मे अलग-अलग लोगो को शामिल करके तथा खनिज अधिकारी के संरक्षण मे ही यह कार्य चल रहा है। जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा आज कार्यवाही की गई तथा नदी की धारा का कच्चा पुल तोडा गया है यह सिर्फ औपचारिकता है, इस प्रकार की कार्यवाहीयां पूर्व मे भी हुई थी। लेकिन रेता माफियाओ द्वारा दो चार दिन के अन्तराल में फिर से नदी की धारा रोककर पुल बना लिये जायेगें तथा यह अवैध कारोबार फिर प्रारंभ हो जायेगा। जहां एक ओर पन्ना जिले की खदानो की नीलामी न होने से शासन को राजस्व का अरबो रूपये का नुकसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर ठेकेदार मल्होत्रा तथा रेत माफियाओ को करोडो का फायदा हो रहा है। पन्ना जिले की जीवनदायनी केन नदी में अवैध उत्खनन से जीव जन्तुओ का जीवन भी खतरे मे हैं।

केवलारी की पुलिया पर हादसा, ट्रक में बाईक को मारी टक्कर, महिला की मौत

दमोह देशबन्धु। जिले के बटियागढ़ मार्ग पर ट्रक ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी महिला गिर गई और जिससे उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार बाइक चालक घायल सेठ सिंह अपनी मौसी मृतिका अवधरानी निवासी आलमपुर को बाइक से हटा के बड़ागांव से लेकर आलमपुर छोड़ने जा रहा था। केवलारी की पुलिया पर ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर होने से बाइक में पीछे बैठी महिला गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई। वही ट्रक भी पुलिया के नीचे गिर कर पलट गया लेकिन ट्रक चालक को कोई चोट नहीं आई और वह मौके से फरार हो गया है। बाइक चालक सेठ सींग को प्रथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने शव को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र भेजकर जांच शुरू कर दी।

संविधान दिवस पर उज्जैन में शिक्षक मोहन सिंह का किया सम्मान

दमोह देशबन्धु। शासकीय माध्यमिक शाला सतौआ, जनशिक्षा केंद्र- कुमेरिया, संकुल केंद्र बांसाकला, पथरिया में पदस्थ शाला प्रभारी मोहन सिंह ठाकुर को गोपाल किरन समाज सेवी संस्थान द्वारा भारतीय संविधान दिवस समारोह में भारतीय संविधान और हम सब विषय पर उज्जैन में आयोजित एक दिवसीय ग्लोबल सेमिनार में अवार्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पहले भी उन्हें आगरा (उत्तरप्रदेश) और बैंगलुरु से इस संस्था द्वारा नेशनल अवार्ड द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। शाला प्रभारी मोहन सिंह ठाकुर द्वारा विद्यालय में उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य किए जाते हैं। जिससे बच्चों में शैक्षिक गतिविधियों को खेल-खेल में सिखाया जाता है। साथ ही विद्यालय का वातावरण बहुत स्वच्छ और सुंदर तरीके से व्यवस्थित रखा जाना और हर संभव बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा प्रदान करने का निरंतर प्रयास जारी रहता है।

हत्या के आरोपियो को आजीवन कारावास

पन्ना, देशबन्धु। जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के सहा. मीडिया प्रभारी सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी रोहित गुप्ता के बताये अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि 2 जून 2018 को फरियादी अधुवा चौधरी ने थाना सिमरिया में इस आशय की मौखिक रिपोर्ट की, कि 28 मई 2018 को लगभग 8 बजे रात्रि उसका लड़का हरिदास चौधरी घर से स्कूल घूमने जा रहा था। शासकीय स्कूल के पास औसाब सिंह ठाकुर तथा कुछ लोग पहले से बैठे थे। हरिदास चौधरी वहां से निकला तो औसाब सिंह ठाकुर ने हरिदास को मां-बहिन की बुरी-बुरी गालियां दीं तथा जाति सूचक गालियां चमरा वाले कहा और हरिदास के मना करने पर औसाब सिंह ने बीयर की कांच की बोतल सिर में मारी, जिससे बोतल फूटकर कांच हरिदास के सिर में घुस गया, सिर फट गया, खून बहने लगा। घटना की बात हरिदास ने अपने भाई दीपेन्द्र वर्मा को बतलाई, दीपेन्द्र ने 100 डॉयल वाहन को फोन कर बुलाया और उससे हरिदास को सिमरिया ले जाकर सिमरिया अस्पताल में इलाज कराया गया। हरिदास के घायल अवस्था में अस्पताल आने के संबंध में थाना सिमरिया को तहरीर भेजी गई तथा बाद में हरिदास की मृत्यु होने के संबंध में भी तहरीर भेजी गई।

थाना सिमरिया में इस संबंध में मर्ग कायम कर देहाती नालिसी लेख की जाकर मर्ग की जांच की गई तथा अस्पताल सिमरिया में हरिदास के शव का शव पंचनामा बनाया, पोस्टमार्टम कराया गया। मर्ग जांच के आधार पर आरोपियो औसाब सिंह ठाकुर एवं हनुमत सिंह ठाकुर के विरूद्ध थाना सिमरिया में अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। आरोपियो को गिरफ्तार कर संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय आरपी सोनकर, विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट पन्ना, जिला पन्ना के न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी करते हुए जीतेन्द्र सिंह बैस, विशेष लोक अभियोजक द्वारा अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराया, न्यायालय के समक्ष आरोपियो हनुमंत सिंह, औसाब सिंह को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपियो का कृत्य गंभीरतम श्रेणी का होने के कारण कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपियो हनुमंत सिंह ठाकुर औसाब सिंह ठाकुर दोंनो निवासी ग्राम तिघरा थाना सिमरिया जिला पन्ना को धारा 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट में 06-06 माह का कठोर कारावास एवं 500-500 रूपए के अर्थदंड एवं धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट में आजीवन कारावास एवं 1000-1000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्त्ता, गणना अभिकर्त्ताओं का हुआ प्रशिक्षण

दमोह देशबन्धु। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के तहत विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल के निर्देशन में निर्वाचन में भाग लेने वाले अभ्यर्थी , निर्वाचनअभिकर्ता, गणना अभिकर्ता का प्रशिक्षण मॉडल कॉलेज दमोह में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में सभी को मतगणना की बारीकी से अवगत कराया गया, डाक मतपत्र में किस स्थिति में मतपत्र ख़ारिज होंगे आदि सभी बिंदुओं पर जानकारी स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर मोहन राय मुकेश गूजरे, दिलीप जोशी द्वारा दी गई। जिले की चारों विधानसभा के लगभग सभी अभ्यर्थीगण, अभिकर्तागण उपस्थित हुए एवं गंभीरता पूर्वक प्रशिक्षण लिया।

सर्व शिक्षा अभियान के डीपीसी ने किया भ्रष्टाचार, मनमाने ढंग से कार्यालय में लगाए वाहन

शिक्षा विभाग की योजनाओं में भी फिसड्डी बन गया जिला

पन्ना, देशबन्धु। जिला शिक्षा केंद्र पन्ना के परियोजना अधिकारी अजय कुमार गुप्ता भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड तोड़ने में लगे हैं। बताया जा रहा है कि इनके द्वारा जिला परियोजना अधिकारी का पदभार ग्रहण करने के बाद से ही अनियमितता एवं धांधली शुरू कर दी गई थी। बिना टेंडर के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के लिए सामग्री की खरीदी एवं बिना टेंडर वाहनों के नाम पर फर्जी भुगतान के माध्यम से लाखों की हेरा फेरी का मामला सामने आया है और तो और जहां से सामग्री क्रय की जाती है उनका भी भुगतान अधिक कमीशन के लालच में रोके जाने के आरोप सामने आए हैं। बताया गया है कि एक पेट्रोल पंप और कुछ वाहनों के भुगतान भी इसलिए केवल रोके गए हैं कि डीपीसी के द्वारा उनसे अपने किसी आदमी के माध्यम से कमीशन की अपेक्षा की जा रही है लेकिन दूसरी ओर से उनके मन मुताबिक कमीशन नहीं मिलने से उनका भुगतान रोका गया है। अनियमिता धांधली एवं भ्रष्टाचार के संबंध में जब कुछ जागरूक नागरिकों के द्वारा सूचना के अधिकार के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया तो उन्हें नियम अनुसार जानकारी देने के बजाय उनके घर पहुंच कर धमकी देकर आवेदन में हस्ताक्षर भी करवाए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि पहले भी कई अधिकारियों के द्वारा इस प्रकार की अनियमिता और भ्रष्टाचार किए गए लेकिन डीपीसी अजय कुमार गुप्ता पहले अधिकारी बताए जा रहे हैं जो अनियमिता और भ्रष्टाचार के अलावा सूचना के अधिकार के तहत आवेदन प्रस्तुत करने वाले के घर पहुंच कर धमकी दे रहे हैं। मामला गंभीर है और इस मामले की जांच और कार्रवाई आवश्यक है अन्यथा लोगों का नियम कानूनों के प्रति विश्वास कम होता है। डीपीसी श्री गुप्ता पर लगे आरोपों में कितनी सच्चाई है इसकी जांच आवश्यक है फिलहाल जब डीपीसी से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उनके द्वारा अपनी ईमानदारी का बखान कुछ इस प्रकार किया गया कि सभी टेंडर व खरीदी नियम अनुसार की गई हैं। लेकिन उनके द्वारा यह भी बताया गया कि जैन पोर्टल से खरीदी हुई है और उसमें टेंडर की आवश्यकता नहीं होती ऐसे में सवाल यह खड़ा होता है कि एक ओर डीपीसी यह कहते हैं कि टेंडर हुआ है और दूसरी और कहते हैं कि टेंडर की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में क्या सच और क्या गलत है इसकी भी जांच आवश्यक है। वहीं दूसरी ओर डीपीसी के द्वारा जो वाहन लगाए गए हैं वह भी नियम विरुद्ध हैं। ना ही उनका इश्तहार जारी किया गया और ना ही कोई टैक्सी परमिट वहान लगाया गया। इस प्रकार बिना टेंडर के खरीदी और वाहनों के भुगतान कर लाखों की हेरा फेरी के आरोप लग रहे हैं। इसके साथ इनका प्रभार भी नियम विरुध बताया जा रहा है।

उपजेल हटा में स्वास्थ परीक्षण शिविर संपन्न हुआ

दमोह देशबन्धु। जिले की उपजेल हटा में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा जेल में बंदियों और स्टाफका स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार और परामर्श दिया गया। इस दौरान जेल के कर्मचारियों को सीपीआर का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। शिविर में सिविल अस्पताल हटा से डॉ. ब्रज मोहन पांडे, डॉ मनीष पटेल, डॉ जितेंद वर्मा, लेब टेक्नीशियन कर्मचारियों के अलावा उपजेल अधीक्षक नागेंद्र सिंह चौधरी की उपस्थिति रही।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निकाली जाएगी जागरूकता रैली

दमोह देशबन्धु। जिले में 01 से 15 दिसम्बर के दौरान विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा थीम ''लेट कम्युनिटी लीड'' पर आयोजित किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया इस पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसी तारतम्य में एच.आइ.व्ही./एड्स रोकथाम में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से आज 01 दिसम्बर को प्रातरू 10:30 बजे जिला चिकित्सालय से जागरूकता रैली निकाली जायेगी।

डाक मतपत्रों तथा ईवीएम मतों की गणना प्रक्रिया को लेकर की चर्चा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने की मतगणना तैयारियों की समीक्षा

रायसेन, देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं के लिए हुए मतदान की मतगणना 03 दिसम्बर 2023 को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे द्वारा मतगणना हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही डाक मतपत्रों तथा ईवीएम मतों की गणना प्रक्रिया और सम्पन्न की जाने वाली कार्यवाहियों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ तथा सांची विधानसभा की रिटर्निंग अधिकारी अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमृता गर्ग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से उदयपुरा विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी श्री संतोष मुदगल, भोजपुर विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी श्री चन्द्रशेखर श्रीवास्तव तथा सिलवानी विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी श्री सौरभ मिश्रा सहित सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

मतगणना के दिन शुष्क दिवस घोषित: मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अरविंद दुबे द्वारा सम्पूर्ण जिले में मतगणना दिवस 03 दिसम्बर 2023 को सम्पूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत दिनांक 03 दिसम्बर को सम्पूर्ण दिवस की अवधि में जिले में संचालित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों से मदिरा का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रखने के साथ ही होटल, आहार गृह, मधुशाला अथवा किसी अन्य सार्वजनिक तथा निजी स्थान में कोई भी स्पिरिट युक्त, किण्वित या मादक लिकर या वैसी प्रकृति का अन्य पदार्थ ना विक्रय किया जाएगा, ना दिया जाएगा और ना वितरित किया जाएगा। इसी प्रकार गैर मालिकाना क्लब, होटल, रेस्टोरेंट आदि तथा ऐसे होटल जिनके पास विभिन्न श्रेणी के मदिरा प्राप्त करने तथा प्रदाय करने के लायसेंस उपलब्ध हैं। इन्हें भी शुष्क दिवस के आदेशानुसार शराब बिक्री और सेवा की अनुमति नहीं होगी।

हमारा सारा जीवन मन के द्वारा ही संचालित होता है: वैष्णवी

दमोह देशबन्धु। मागंज वार्ड नंबर पांच में चल रही श्री रामकथा में किशोरी जी ने बताया कि हमारा सारा जीवन मन के द्वारा ही संचालित होता है। जिस प्रकार प्रत्येक मौसम में हमारा खान-पान, हमारा परिधान बदलते रहते हैं उसी प्रकार हमारा मन भी बदलते रहता है। कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग' ने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की कथा का उदाहरण देते हुए बहुत ही रोचक रूप से समझाया कि क्या कारण है कि त्रेतायुग में और द्वापरयुग दोनों में युद्ध हुआ किन्तु द्वापरयुग में कृष्ण राज्य नहीं बने और त्रेतायुग में रामराज्य की स्थापना हो गई। इसका कारण बताते हुए कहा कि भगवान कृष्ण ने गीता में जो उपदेश दिया उसे सही सही ना समझना है। भगवान कृष्ण ने गीता का जो उपदेश दिया उसको सबसे पहले चार लोगों ने सुना, अर्जुन, हनुमानजी, संजय और धृतराष्ट्र ने। अर्जुन ने साधक के रूप में ग्रहण किया, हनुमानजी ने कथा रसिक के रूप में , संजय ने श्रोता और वक्ता के रूप में और धृतराष्ट्र ने मोह की भावना से ग्रहण किया। ये हमारे मन पर ही निर्भर करता है कि हम भगवान की कथा को किस रूप में ग्रहण करते हैं। कथा के मुख्य यजमान अभिषेक तिवारी ,विमल यादव ,विधान पाराशर ,प्रशांत राजपूत,उमेश अठ्या,निशांत तिवारी,शुभम तिवारी,आकर्षित तिवारी,भरत पटे,मनीष अवस्थी,प्रह्लाद पटेल,दीप साहू दीदी,,एवं समस्त वार्डवासी मागंज पांच दमोह ।

ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से मजदूर की मौत

राय अस्पताल में लोडिंग वाहन से सिलेंडर उतार रहा था मजदूर, उठाते ही फटा

सागर, देशबन्धु। मकरोनिया इलाके में बटालियन रोड पर स्थित राय हॉस्पिटल परिसर में गुरुवार शाम ऑक्सीजन गैस सिलेंडर फटने से मजदूर की मौत हो गई। मजदूर लोडिंग वाहन से ऑक्सीजन सिलेंडर उतारने का काम कर रहा था। वाहन से सिलेंडर उतारते समय अचानक वह फट गया। जिसकी चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं एक घायल हुआ है। घटनाक्रम सामने आते ही मौके पर अस्पताल प्रबंधन, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए। उन्होंने मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार राय हॉस्पिटल में चनाटोरिया स्थित गौरी गैस एजेंसी से ऑक्सीजन गैस सिलेंडरों की सप्लायी की जाती है। गुरुवार शाम गौरी गैस एजेंसी का वाहन हॉस्पिटल में करीब 50 ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंचा था। जहां दो मजदूर सिलेंडर उतारने का काम कर रहे थे। वाहन से आखिरी ऑक्सीजन सिलेंडर उतारते समय अचानक वह फट गया। घटना में सिलेंडर फटने से मजदूर रूपेंद्र कोरी निवासी मोतीनगर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मजदूर जितेंद्र उर्फ ऋषि अहिरवार घायल हुआ है। घटना इतनी भीषण थी कि मृतक रुपेंद्र के शरीर के चिथड़े उड़ गए। सिर कई टुकड़ों में बिखर गया। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही मकरोनिया पुलिस मौके पर पहुंची। एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली और बताया कि राय हॉस्पिटल में ऑक्सीजन सिलेंडर लोडिंग वाहन से अनलोड करते समय एक सिलेंडर फटा है। घटना में एक मजदूर की मौत हुई है। वहीं एक घायल हुआ है। घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। हादसे के सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच की जाएगी। जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। घटना इतनी दर्दनाक थी कि सिलेंडर फटने से मजदूर के सिर के चिथड़े उड़े गए। सिर कई टुकड़ों में परिसर में बिखर गया। घटना में अस्पताल से पहुंची टीम ने शव को शववाहिनी में रखा। वहीं सिर के टुकड़ों को बीनकर पॉलीथिन में भरा। यह नजारा जिसने भी देखा वह सहम उठा। मौके पर लोगों की भीड़ लगी रही। राय हॉस्पिटल संचालक डॉ. संतोष राय ने बताया कि गौरी गैस एजेंसी से ऑक्सीजन सिलेंडर की सप्लायी हॉस्पिटल में होती है। एजेंसी के वाहन में सिलेंडर आए थे। उनके मजदूर सिलेंडर उतारने का काम कर रहे थे। तभी अचानक एक ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। जिससे एक मजदूर की मौत हो गई, एक घायल हुआ है। सिलेंडर किन कारणों से फटा और गौरी एजेंसी से हॉस्पिटल आने वाले ऑक्सीजन सिलेंडरों की जांच के लिए भोपाल से टीम बुलाई है। प्राथमिक तौर पर लग रहा है कि ऑक्सीजन सिलेंडर में प्रेशर ज्यादा होगा, जिस कारण वह फटा है। हालांकि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चलते टैंकर में लगी आग, हादसा टला

आग लगी तो ड्राइवर व हेल्पर ने कूदकर बचाई जान

सागर, देशबन्धु। देवरी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 44 पर स्थित चीमाढाना के पास चलते केमिकल के टैंकर में आग लग गई। इंजन के पास से आग की लपटें उठती देख ड्राइवर और हेल्पर ने कूदकर अपनी जान बचाई। वे सड़क किनारे टैंकर छोड़कर भाग गए। घटनाक्रम देख आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और फायर फाइटर मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टैंकर क्रमांक आरजे 14 ओके 3072 नरसिंहपुर से सागर की ओर जा रहा था। तभी सागर-नरसिंहपुर हाईवे पर स्थित चीमाढाना चौराहे के पास अचानक टैंकर में आग लग गई। आग का धुंआ उठते देख टैंकर चालक और परिचालक वाहन को सड़क किनारे छोड़कर भाग गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। टैंकर में आग लगने के कारण आसपास मौजूद रहवासी इलाके में हड़कंप मच गया। लोग घर और दुकान छोड़कर दूर भाग गए। लोगों को संदेह था कि आग बढ़ी तो टैंकर में विस्फोट हो सकता है। हालांकि घटनाक्रम की सूचना मिलते ही फायर फाइटर मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हाईवे पर वाहनों की आवाजाही रोकी। आगजनी में टैंकर के आगे का हिस्सा बुरी तरह जल गया है। मामले में देवरी थाना पुलिस टैंकर में आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

गिरने वाला ही चढ़ता है, प्रयास करते रहो, हिम्मत रखो यही सफलता का सूत्र है: मुनि श्री

मकरोनिया, देशबन्धु। जो हताश होते हैं वह हार जाते हैं इसलिए हिम्मत रखिए, आशावादी बनिये, कभी हताश मत होइये। जिसके मन में आशा बनी रहती है वह कभी नहीं हारते। मन में कभी हताशा को हावी मत होने देना। आज बुरा है तो कल अच्छा होगा, इस धारणा के साथ जीने वाले मनुष्य कभी घबराते नहीं है यह बात मुनिश्री सुदत्तसागर ने श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर अंकुर कॉलोनी में प्रवचन के दौरान कही, मुनिश्री ने कहा जब परिस्थितिया हावी होती हैं तो मन टूट जाता है। आप दूसरों को मोटिवेट करो, घबराओ नहीं, गिरने वाला ही चढ़ता है, प्रयास करते रहो, धीरज रखो, धीरज कमजोर की ताकत है और अधीरता ताकतवर की कमजोरी। जो लोग अधीर हो जाते हैं वह ताकतवर होने के बाद भी कमजोर हो जाते हैं। धैर्य रखो, धैर्य बहुत बड़ा संबल है। क्षुल्लक श्रीचंद्र दत्त सागर ने कहा कर्ता बुद्धि से नहीं, कर्तव्य बुद्धि से कार्य करो। कभी-कभी हमारे द्वारा किए गए कार्यों का हमें क्रेडिट नहीं मिलता, तो हम विचलित हो जाते हैं। निस्वार्थ भाव से सामाजिक एवं धार्मिक सांसारिक एवं पारिवारिक दायित्व कर्तव्यों की जिम्मेदारी निभाओ, अपने स्वयं के कर्तव्यों व उत्तरदायित्व की प्रति जागरूक बनो। सोचो कि हम अपने जीवन में कैसे कर्तव्य पालन से स्थिरता ला सकते है। जिस व्यक्ति को जीवन जीने की कला आती है वह हर स्थिति में अपने कर्तव्यों का पालन करता है।

नाबालिक से दुष्कर्म के फरार आरोपी को तीन दिन में किया गिरफ्तार

चाचा ही था आरोपी उत्तर प्रदेश में अपराध के बाद से छुपा था

सागर, देशबन्धु। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना डॉ. संजीव उईके एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बीना प्रशांत सिंह सुमन के निर्देशन में की गई कार्यवाही, कार्यवाही का विवरण पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को गंभीरता से लेते हुए समस्त थाना प्रभारियो को तुरंत गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया था इसी क्रम में थाना प्रभारी बीना द्वारा मुखबिर तंत्र को अधिक सक्रिय करके आरोपी की पता साजी हेतु लगाया गया जिसके परिणाम स्वरूप सूचना मिली कि 25 नवम्बर को अपनी सगी भतीजी के साथ दुष्कर्म करने वाला फरार आरोपी तालबेट उत्तर प्रदेश में फरारी काट रहा है।

सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन में एक पुलिस टीम तत्काल तालबेट भेजी गई जिन्होंने हिकमत अमली से कार्यवाही करते हुए एक निर्माणाधीन मकान से आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय पेश कर जेल वारंट प्राप्त होने पर खुरई जेल दाखिल किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बीना निरीक्षक भरत सिंह ठाकुर, कविता द्विवेदी, साइबर सैल प्र.आ. अमर तिवारी, लोकेन्द्र, मुकुल एवं यशवंत की भूमिका रही।

20 टेबलों पर होगी डाक मत पत्रों की गणना

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत संपन्न हुए मतदान में डाक मतपत्रों की गणना के लिए शासकीय इंदिरा गांधी इंजीनियर कॉलेज में 20 टेबलों पर मतगणना की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार डाक मत पत्रों की गणना करने के निर्देश प्राप्त हुए थे, इसके लिए डाक मत पत्रों की गणना के लिए 35 बीना में 2 टेबल, 36 खुरई में 2 टेबल, 37 सुरखी में 2 टेबल, 38 देवरी में 2 टेबल, 39 रहली में 3 टेबल, 40 नरयावली में 3 टेबल, 41 सागर में 4 टेबल तथा 42 बंडा में 2 टेबलों इस पर डाक मत पत्रों की गणना संपन्न होगी। इस प्रकार कुल 20 टेबलों पर मतगणना होगी। इसके साथ ही विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत चुनाव में संलग्न शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा ईवीएम में डाले गए मतों की गणना हेतु भी एक-एक टेबिल लगाई गई है।

विधायक ने स्मार्ट रोड का किया निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने दीनदयाल चौक से तीन मढ़िया तक बन रही 940 मीटर सीसी सड़क का निरीक्षण ठेकेदार एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ किया, उन्होंने बताया कि यह सड़क 5 सेक्शन में है जिसमे अधिकतम चौड़ाई 24 मीटर से लेकर 18,15,12,8 मीटर तक है। इसमें स्ट्रीट लाइट पोल सम्मिलित हैं। विधायक ने निर्देशित करते हुए कहा कि यहां लगे हुए पेड़ो को काटा न जाए बल्कि उन्हें शिफ्ट किया जाए। पोल शिफ्टिंग के लिए विद्युत मंडल के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद पहलवान बब्बा से एमएलबी स्कूल तक की रोड पर ड्रेनेज एवं पेवर्स ब्लॉक के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह अति व्यस्ततम सड़क है इसे एक सप्ताह के अंदर पूरा किया जाये उसमे किसी भी तरह की लेट लतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सुबह से शहर समेत ग्रामीण इलाकों में रुक-रुककर हुई बारिश

सागर, देशबन्धु। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से सागर के मौसम पर असर पड़ा है। पिछले तीन दिनों से सागर के आसमान में बादल छाए हैं। रुक-रुककर हल्की बारिश का दौर जारी है। जिस कारण वातावरण में ठंडक बढ़ी है। गुरुवार सुबह से सागर के आसमान में बादलों ने डेरा जमाये रखा। हल्की बारिश हुई, बारिश का दौर दोपहर तक रुक-रुककर चलता है। बारिश होने से शहर की सड़कें भींगी रही। सुबह से हल्का कोहरा रहा और मौसम में दिनभर धुंध छाई रही। इस दौरान सागर का अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री और न्यूनतम पारा 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम में आये परिवर्तन के कारण दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। हवाएं नहीं चलने से वातावरण में सर्दी का असर तेज नहीं हुआ है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में हल्की से तेज बारिश हुई। इस दौरान बंडा, सुरखी, गौरझामर, देवरी आदि समेत अन्य इलाकों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार जिले के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश का दौर जारी रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती हवाओं का घेरा और ट्रफ लाइन के गुजरने से स्ट्रांग सिस्टम बना है। इसका असर मप्र समेत सागर में देखने को मिल रहा है। रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहेगा। आगामी 24 घंटों में जिले के अलग-अलग हिस्सों में बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

मुख्य मार्गो पर विचरण कर रहे 9 पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजा

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशानुसार शहर के मुख्य मार्गों पर विचरण कर रहे 9 पशुओं को पकड़कर सीहोरा गौशाला भेजा गया। गुरुवार को की गई कार्यवाही के दौरान बाघराज मल्टी से कनेरा, सोमनाथपुरम एवं धर्मश्री रोड़ से 9 पशुओं को पकड़कर सीहोरा गौशाला भेजा गया। निगमायुक्त ने डेयरी विस्थापन दलों को निर्देश दिये है कि प्रतिदिन अधिक से अधिक आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही करें तथा जिन-जिन वार्डों में डेयरियाँ शेष रह गई है उनको शहर से बाहर अथवा डेयरी विस्थापन स्थल पर शिफ्ट करें तथा प्रतिदिन की कार्यवाही से अवगत करावे। कार्यवाही के दौरान दल प्रभारी शिवनारायण रैकवार, राजू रैकवार, उमेश चौरसिया एवं दल के कर्मचारी उपस्थित थे।

क्षत्रिय समाज की मातृशक्ति द्वारा दीपावली मिलन का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। क्षत्रिय समाज की मातृशक्ति द्वारा गुरुवार को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की आयोजन प्रिति सिंह, रितू राजपूत के नेतृत्व में समस्त क्षत्राणियो ने पूरे जोश से दीपावली मिलन का भव्य आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह के साथ किया, प्रिति सिंह ने बताया कि महिला क्लब ने समाज की महिलाओं एवं बेटियों का सम्मान किया जो अपनी मेहनत से उच्च पद पर आसीन है सभी को एकजुट होकर समाज के महापुरूषों के द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करे त्योहारो को हमे सभी भेदभावो को मिटाकर एकजुट होकर मनाना चाहिए, त्योहार एवं रीती-रिवाज हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और ये हमे एकता का संदेश देते है। इस अवसर पर सभी मातृशक्ति ने एक दूसरे को दीपावली मिलन समारोह में गले लगकर मिठाइयां खिलाकर दीपावली की बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर अंकिता गौर, निरूपमा गौर, संगीता सिंह, रेशु सिंह, रितु बघेल, लक्ष्मी ठाकुर, ज्योति चौहान, पारूल चौहान, अंशु सिंह सहित बडी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम का आभार अंकिता गौर ने व्यक्त किया।

दो सफाई संरक्षको के सेवानिवृत होने उनका सम्मान कर उन्हें विदाई दी

सागर, देशबन्धु। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग में सफाई संरक्षक के पद पर कार्यरत हीरालाल/गुलाब और सरोज/मनोज के सेवानिवृत होने पर निगम सभा कक्ष में सेवानिवृत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सहा. आयुक्त राजेश सिंह राजपूत ने सेवानिवृत कर्मचारियों का शाल श्रीफल और प्रशस्ति पत्र भेंटकर स्वागत करते उन्हें स्वस्थ और सुखद जीवन की शुभकामना देते हुए कर्मचारियों और परिजनों से कहा कि जो व्यक्ति शासकीय सेवा में आया है उसकी सेवानिवृत होने की दिनांक भी तय है, लेकिन सेवानिवृत होने के बाद भी उनके परिजनों और कर्मचारियों को उनके सेवाकाल के अनुभव से लाभ लेते रहना चाहिए। सम्मान समारोह में अन्य कर्मचारियों ने भी फूल माला पहनकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर भोला करोशिया, हेमंत सारवान, राजेंद्र सनकत ने भी सेवानिवृत कर्मचारियों को सुखद जीवन की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सुदामा मछन्दर, सुनील चेखेरे, दीपक ज्ञान, राजेश नरयावरे, रज्जन करोसिया, कुलदीप बाल्मीकि सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्तिक महिला मिलन समारोह का आयोजन

सागर, देशबन्धु। कार्तिक मास के शुभ अवसर पर विधायक शैलेन्द्र जैन की अर्धांगिनी अनुश्री जैन द्वारा निज निवास धर्मश्री में कार्तिक महिला मिलन समारोह एवं स्नेहभोज का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातायें, बहिने कार्यक्रम में पधारी। इस अवसर पर एआर ग्रुप द्वारा भजन और संगीत की मनमोहक प्रस्तुती का भी आयोजन किया गया। सभी माताओं बहिनों ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में मग्न होकर भजन कीर्तन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम को अनुश्री जैन ने संबोधित करते हुये कहा कि, बड़े ही हर्ष की बात है कि कार्तिक मास के इस शुभ अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक स्नान कर व्रत करने वाली महिलाओं का मिलन समारोह आयोजित किया गया। आप सभी का मैं हृदय से धन्यवाद करती हूं कि, आप सभी माताओं, बहिनों ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया है, मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आप सभी के व्रतों को पूर्ण करें सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि बनाये रखे एवं स्वस्थ रखें। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि हर माता बहिन, नारी शक्ति का रूप है। हमने कभी मां दुर्गा को साक्षात रूप से नहीं देखा है, परन्तु हर नारी में मां दुर्गा को देखकर हम उन्हें नमन करते है। हमे मातृशक्ति का सम्मान करना चाहिये वो हमारी संवाहक है, वो हमे जन्म देती है, विश्व में उनका स्थान सर्वोपरी है। जिस देश में, जिस समाज, जिस घर में या जिस परिवार में नारी का सम्मान नहीं किया जाता है। वो देश, वो समाज, वो घर, वो परिवार कभी उन्नती नहीं कर सकता। जहां नारी का सम्मान होता वहां हमेशा सुख, समृद्धि बनी रहती है। इस दौरान विधायक शैलेन्द्र जैन ने अपनी अर्धांगिनी अनुश्री जैन के साथ मातृशक्तियों को भोजन प्रसादी परोसा। इस अवसर पर जसवीर सोढ़ी, प्रतिभा तिवारी, शोभा सराफ, मेघा दुबे, प्रतिभा चौबे आदि उपस्थित रहीं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने अभ्यर्थियों, गणना अधिकर्ताओं शासकीय मतगणना अधिकारी कर्मचारी, मीडिया साथियों के प्रवेश की व्यवस्थाएं देखी एवं मीडिया सेंटर में समुचित व्यवस्थाओं को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में बने स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह चालू है। जिनसे लगातार 24-7 गतिविधियों की रिकॉर्डिंग की जा रही है। सभी रिकॉर्डिंग उपलब्ध है। प्रतिनिधि अगर चाहे तो वह रिकॉर्डिंग भी देख सकते हैं। स्ट्रांग रूम में अलग-अलग जगह यूपीएस सिस्टम लगे हुए हैं जिनसे निर्बाध रूप से रिकॉर्डिंग की जा रही है। कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सीसीटीवी की जांच की। स्ट्रांग रूम के बाहर सभी विधानसभा क्षेत्र की अलग-अलग एलईडी लगाई गई है जो की 24 घंटे सुरक्षित रूप से चालू है जिनको 24 घंटे देखा जा सकता है। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी भव्या त्रिपाठी, लोक निर्माण विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मतगणना स्थल से 200 मीटर तक जुलूस, प्रदर्शन, पटाखे रहेंगे पूर्णतः प्रतिबंधितः कलेक्टर

विधानसभा निर्वाचन की मतगणना 3 दिसंबर रविवार को मतगणना स्थल शास. इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग महाविद्यालय में प्रातः 8 बजे से सम्पन्न कराई जाना है। मतगणना स्थल पर अत्याधिक संख्या में आम जनता का एकत्रित होना संभावित है, इस दृष्टि से कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखना अतिआवश्यक प्रतीत होता है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दीपक आर्य, भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा.144 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मतगणना स्थल शासकीय इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग महाविद्यालय पर सुरक्षा हेतु तैनात पुलिस बल के पास सुरक्षा साधन लाठी, शस्त्र आदि को छोड़कर, जिला निर्वाचन कार्यालय तथा पुलिस अधिकारी द्वारा आदेशित निर्वाचन दायित्वों में संलग्न पासधारी अधिकारी, कर्मचारी, मतगणना एजेन्ट को मतगणना परिसर के अंदर हैण्ड बैंग, इंक पेन, पानी बाटल, मोबाईल, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, शराब, धूम्रपान, आग्नेय अस्त्र-शस्त्र, ज्वलनशील पदार्थ तथा माचिस ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत तथा जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्राधिकृत अधिकारी कर्मचारी को छोड़कर अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार की फोटो, वीडियोग्राफी एवं मतगणना स्थल के 200 मीटर की परिधि में धरना, प्रदर्शन, जुलूस, नारेबाजी, पुतला दहन आदि का आयोजन तथा पटाखों का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही मतगणना स्थल की 100 मीटर की परिधि में वाहनों की आवाजाही पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। उक्त आदेश जन साधारण पर लागू है। यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 144(2) के अन्तर्गत एक पक्षीय पारित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति उपर्युक्त प्रतिबन्धात्मक आदेश का उल्लंघन करेगा तो वह भारतीय दण्ड संहिता के प्रावधानों के तहत अभियोजित किया जावेगा।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।